PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 304 ● भिलाई, मंगलवार 16 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रफ्तार का कहर: दो अलग-अलग सड़क हादसों में 3 की मौत

डबरा। ग्वालियर जिले के डबरा थाना क्षेत्र में रफ्तार का हैवान दो अलग-अलग परिवारों के लिए काल बनकर आया। यहाँ दो भीषण सड़क हादसों में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया और जमकर हंगामा किया। पहली हृदयविदारक घटना पिछोर रोड पर कटारे बाबा मढ़ी के पास हुई। यहां एक तेज रफ्तार अज्ञात लोडिंग वाहन ने बाइक सवार तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बाइक सवार सुभाष रजक और रामप्रकाश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बाइक पर सवार तीसरे व्यक्ति मनीराम रजक (65 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है

प्यार, धोखा और मर्डर: बिजनौर में तलाकशुदा नर्स की गला घोंटकर हत्या

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में मुंबई की तलाकशुदा नर्स सना (35) की प्रेमी फैसल (20) ने हत्या कर दी। दोनों लिव इन में रहते थे। सना शादी का दबाव बना रही थी। फैसल ने गला घोंटकर शव गन्ने के खेत में दबा दिया। मुंबई पुलिस ने फैसल को हिरासत में लिया। उसकी निशानदेही पर बिजनौर से शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी फैसल मुंबई में मुर्गा काटने का काम करता था। बाद में उसने यह काम अपने पिता और भाई के हिस्से में छोड़ दिया। अब काफी दिनों से सैलून पर काम करता था। इसी बीच उसके प्रेम संबंध सना से हो गए। सना अपने रिश्ते को लेकर बेहद गंभीर थी। उसने फैसल के साथ शादी रचाने की उम्मीद में पति से तलाक तक ले लिया था लेकिन समय के साथ फैसल के इरादे बदलने लगे। फैसल ने शादी करने से इनकार कर दिया जबकि सना अपने फैसले पर अडिग थी।

ईरान-अमेरिका के बीच शांति समझौता हुआ

शुक्रवार से स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज खुलेगा....राष्ट्रपति ट्रंप का दावा

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ डील होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि शांति समझौते में हस्ताक्षर होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट को बिना किसी टोल टैक्स के खोलने की इजाजत दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 19 जून को डील पर दोनों देश दस्तखत करेंगे। हालांकि, ईरान की तरफ से डील पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले भी ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान डील पर साइन करने को तैयार हो गया है। न्यूक्लियर प्रोग्राम, ऑयल बैन, फ्रीज प्रॉपर्टी और होर्मुज से जुड़े मुद्दों पर सहमति बन गई है, लेकिन ईरान ने ट्रंप के दावे को झूठा बताया था। ईरान का कहना है ट्रंप पहले 24 बिलियन डॉलर का फंड दें, उसके बाद ही डील पर साइन होंगे। अमेरिका और ईरान के बीच लड़ाई 107 दिन से जारी है। इस लड़ाई के शुरू होने के बाद से ही स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज भी बंद है। यहीं से दुनिया तेल सप्लाई का 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। इसके खुलने से भारत समेत कई देशों में तेल की सप्लाई शुरू होगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल सस्ता होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार शाम को ट्रुथ सोशल पर शांति समझौते की घोषणा की, जिससे ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर दबाव कम हुआ। अधिकारियों ने कहा कि शांति समझौते पर 19 जून को स्विट्जरलैंड में साइन किए जाएंगे। ट्रंप ने कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई, और कहा कि इससे होर्मुज स्ट्रेट

फिर से खुल जाएगा और ईरानी पोर्ट्स पर अमेरिकी नेवल ब्लॉकेड खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने कहा, मैं होर्मुज स्ट्रेट को टोल-फ्री खोलने की पूरी तरह से मंजूरी देता हूं और साथ ही, यूनाइटेड स्टेट्स नेवल ब्लॉकेड को तुरंत हटाने की भी मंजूरी देता हूं। दुनिया के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल बहने दो! लेकिन, बाद में एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि एग्रीमेंट पर ऑफिशियल साइन होने के बाद शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट खुल जाएगा। जिस दिन ट्रंप 80 साल के हुए, उस दिन डील फाइनल होने से युद्ध और डिप्लोमेसी का एक उथल-पुथल भरा हफ्ता खत्म हुआ। इस सप्ताह अमेरिका ने ईरान पर हमले किए और ट्रंप ने ईरान के तेल एक्सपोर्ट हब, खार्ग आइलैंड पर कंट्रोल करने की धमकी दी थी। हालांकि, अंतिम मिनटों में उन्होंने यह धमकी वापस ले ली। ट्रंप ने कहा, यह ग्रेट डील पूरे इलाके में शांति और सिक्योरिटी लाएगी। अमेरिका के कई राष्ट्रपति ने ईरान के साथ शांति बनाने की कोशिश की है, और मुझसे पहले सभी फेल हो गए। उन्होंने कहा, इलाके के लीडर्स को पहली बार ऐसा प्रेसिडेंट मिला है जो उन्हें असली शांति पाने में मदद कर सकता है। शुक्रवार को डील पर साइन होने के बाद स्ट्रेट खुलने और माइन हटाने से दुनिया के लिए फिर से दोनों तरफ तेल बहेगा। डील फाइनल होने से कुछ घंटे पहले, बेरूत में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर इजराइल के एयरस्ट्राइक से तनाव बढ़ गया।

ट्रंप का समझौता हम पर लागू नहीं होता इजरायल अमेरिका का गुलाम नहीं है....

अमेरिका और ईरान के बीच जंग थम गई है। दोनों ही देशों ने डील का ऐलान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि ईरान के साथ समझौता हो गया है। इसके बाद ईरान ने भी बयान जारी किया है कि अमेरिका के साथ कई महीनों की लंबी और मुश्किल बातचीत के बाद दोनों देशों ने सीजफायर के रूप को अंतिम रूप दे दिया है। इस ऐलान के बाद मिडिल ईस्ट के क्षेत्र में शांति की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, दूसरी ओर इजरायल के दक्षिणपंथी नेता और नेतन्याहू सरकार में मंत्री बेन ग्वेर ने ऐसा बयान जारी किया जिससे क्षेत्र के देशों की टेंशन फिर से बढ़ गई है। इजरायली मंत्री बेन ग्वेर ने कहा- ट्रंप का समझौता हम पर लागू नहीं होता।

अभिषेक का बागियों के गुट को मान्यता नहीं देने का अनुरोध

तृणमूल के बागी सांसदों ने एनसीपीआई में विलय होगा

नयी दिल्ली/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस का संकट उस वक्त और गहरा गया जब बागी सांसदों ने बेहद कम चिंचत 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में विलय की घोषणा की और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर सदन में अलग बैठने की व्यवस्था का अनुरोध किया। वहीं, तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि वह इस अलग हुए गुट को कोई मान्यता नहीं दें। लोकसभा सदस्य सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि बागी गुट असली तृणमूल कांग्रेस के तौर पर मान्यता पाने के लिए अदालत में भी लड़ाई लड़ेगा और पार्टी के चुनाव चिह्न पर अपना दावा पेश करेगा। लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने संवाददाताओं से कहा कि तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने बिरला को सौंपे गए प्रतिवेदन पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस के दो-तिहाई लोकसभा सदस्यों ने एक अलग समूह के रूप में मान्यता देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपा है। हम नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में अपना विलय करेंगे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का समर्थन करेंगे। 'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' त्रिपुरा की एक कम प्रसिद्ध पंजीकृत, लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी है।

आकाशीय बिजली गिरने से 24 घंटें में 7 लोगों की मौत, रांची में गई 2 जान

रांची। झारखंड में मानसून पूर्व मौसम के बीच आकाशीय बिजली लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में बिजली गिरने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और एक 10 साल का बच्चा भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सबसे अधिक प्रभावित जिलों में रांची और गढ़वा शामिल हैं, जहां दो-दो लोगों की जान गई। रांची जिले के पिथोरिया थाना क्षेत्र के बड़हू गांव निवासी जीतू महली (55) और कटमकुली गांव की निराशा देवी (33) खेत में काम कर रहे थे, तभी अचानक बिजली गिरने से दोनों की मौत हो गई।

30 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

नहीं रहीं कुमकुम भाग्य की अभिनेत्री संचिता उगाल.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

टीवी की चकाचौंध भरी दुनिया से एक ऐसी दुखद खबर सामने आई है, जिसने हर किसी को चौंका कर रख दिया है। टेलीविजन के कई फेमस सीरियल में अपनी एक्टिंग का जादू बिखेरने वाली अभिनेत्री संचिता उगाले अब हमारे बीच नहीं रहीं। सिर्फ 30 साल की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। खबरों के अनुसार उनके सुसाइड किए जाने की बात कही जा रही है। इस दुखद खबर ने न केवल उनके फैंस को गहरा सदमा दिया है, बल्कि पूरी टीवी इंडस्ट्री को गहरे शोक में डुबो दिया है। किसी को भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है कि हमेशा मुस्कुराती दिखने वाली एक बेहतरीन एक्ट्रेस इतनी जल्दी इस दुनिया से चली जाएगी। संचिता उगाले की सुसाइड की खबर जैसे ही सामने आई, हर कोई स्तब्ध रह गया। खबरों के अनुसार, संचिता ने कथित तौर पर आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया है। हालांकि, इस बेहद संवेदनशील मामले पर अभी तक कोई भी बयान सामने नहीं आया है। इस घटना से जुड़ी पूरी और पुख्ता जानकारी का अभी इंतजार है। हर कोई यह जानने की कोशिश कर रहा है कि आखिर ऐसा क्या हुआ जिसने इस हंसती-खेलती लाइफ को हमेशा के लिए शांत कर दिया। बतादें कि संचिता के परिवार या उनके किसी ऑफिशियल प्रतिनिधि की तरफ से कोई भी सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया था।

सीएम विजय के तलाक केस में नया मोड़!

कोर्ट ने 7 अगस्त तक टाली गई सुनवाई.....

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के तलाक केस में आज सुनवाई टल गई। चेंगलपट्टू फैमिली वेलफेयर कोर्ट सोमवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और टीवीके अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय और उनकी पत्नी संगीता की तलाक की अर्जी पर सुनवाई होनी वाली थी। लेकिन अब इस केस को आगे बढ़ा दिया गया है। चेंगलपट्टू फैमिली वेलफेयर कोर्ट ने 7 अगस्त तक तलाक मामले को टाल दिया है। तलाक की याचिका के बाद दोनों के बीच सुलह की खबरें भी सामने आ रही हैं। विजय के साथ अपनी शादी खत्म करने के लिए उनकी पत्नी संगीता ने फैमिली कोर्ट में अर्जी दी थी। इस याचिका में उन्होंने दोनों के बीच मतभेदों का हवाला दिया था। साथ ही संगीता ने विजय के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था और दावा किया कि विजय का एक फिल्म एक्ट्रेस के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा है।

योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम कोलकाता में होगा; प्रधानमंत्री मोदी लेंगे हिस्सा

नयी दिल्ली। इस साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम कोलकाता में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी हिस्सा लेंगे। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने सोमवार को यह जानकारी दी। जाधव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखी गई है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र में सेहत को बनाए रखने में योग की भूमिका पर प्रकाश डालती है।उन्होंने कहा, इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आयोजित किया जाएगा।

देश से मानसूनी बादल गायब

छत्तीसगढ़-एमपी समेत 17 राज्यों में बारिश का इंतजार बढ़ा,अब तक 64 प्रतिशत कम बारिश

रायपुर। देश में मानसून की एंट्री को 11 दिन हो चुके हैं। वहीं देश के 17 राज्यों में अभी भी मानसून नहीं पहुंच चुका है। इससे देश के इन राज्य के लोगों को बारिश का इंतजार बढ़ गया है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। देश से मानसूनी बादल गायब हो गए हैं। इसका खुलासा सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है। सैटेलाइट इमेज और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी के हालिया आंकड़ों से पता चला है कि देश के बड़े हिस्से में मॉनसून अचानक बेहद कमजोर हो गया है। मानसूनी बादल पूरी तरह गायब नजर आ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक सामान्य रूप से मानसून आने के बाद इन 12 दिनों में औसतन रूप से 53.7 मिमी तक बारिश होती है। जबकि अभी तक सिर्फ 19.2 मिमी बारिश हुई है। इसका मतलब 4-15 जून के बीच 64त्न कम बारिश दर्ज की गई है। मानसून दक्षिण भारत से आगे बढ़ने के बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास ठहर गया है। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों को कवर करने के बाद यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में रुक गया है। जबकि मानसूनी गतिविधियां कमजोर होने से 17 राज्यों में बारिश का इंतजार बढ़ गया है। इनमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्य शामिल है। आईएमडी के रेनफॉल डिपार्चर मैप में मध्य, दक्षिणी और पूर्वी भारत के विशाल हिस्से पीले और लाल रंगों में रंगे हुए हैं, जो सूखे जैसे गंभीर हालात को दर्शाते हैं। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात 15 जून को भारत के INSAT-xDS सैटेलाइट से ली गई तस्वीरें हैं।

प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री ने लिखा पत्र

शाला प्रवेश उत्सव को जनआंदोलन बनाने आगे आएं जनप्रतिनिधि : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय.....

- 16 से 27 जून तक चलेगा शाला प्रवेश उत्सव अभियान
- कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे अभियान की सफलता के लिए जनसहभागिता का किया आह्वान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर 16 जून से 27 जून 2026 तक आयोजित होने वाले ष्शाला प्रवेश उत्सवष् में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का सबसे सशक्त आधार है तथा यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में प्रदेश के समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं शिक्षा से जुड़े सभी लोगों को नवीन शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि नए शैक्षणिक सत्र के साथ प्रदेशभर में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बालक-बालिका का विद्यालय में प्रवेश तथा नियमित अध्ययन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष, महापौर तथा नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों से

आग्रह किया है कि वे अपने क्षेत्र के किसी विद्यालय में सुविधानुसार उपस्थित होकर अभियान में सहभागी बनें तथा ऐसे बच्चों की पहचान और नामांकन के लिए प्रेरित करें, जो अभी तक विद्यालय से नहीं जुड़े हैं अथवा बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सहभागिता इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्र में उल्लेख किया है कि राज्य सरकार विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम श्री विद्यालयों के माध्यम से उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण विकसित किया जा रहा है तथा वर्ष 2026 से 150 विवेकानंद विद्यालयों की स्थापना कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए मानक स्थापित किए जा रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शासकीय विद्यालयों को आधुनिक, तकनीक-संपन्न और छात्र-केंद्रित संस्थानों के रूप में विकसित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, गणवेश तथा बालिकाओं के लिए सरस्वती साइकिल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि कोई भी बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे।

पाक वायुसेना का विमान क्रैश

इस हादसे में दो पायलटों की मौत

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को पाकिस्तानी वायुसेना का एक ट्रेनिंग विमान मरदान जिले में क्रैश हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब विमान एक नियमित सैन्य अभ्यास पर था। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई है, जबकि सड़क पर मौजूद तीन स्थानीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, विमान ट्रेनिंग मिशन पर था, उड़ान के दौरान उसमें कुछ तकनीकी दिक्कत आ गई। जिसके बाद विमान अनियंत्रित होकर एक स्थानीय सड़क के पास जा गिरा। विमान के जमीन से टकराते ही उसमें जोरदार धमाका हुआ और भीषण आग लग गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि उड़ा रहे दोनों पायलटों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की पुष्टि करते हुए गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने बताया कि मृत पायलटों की पहचान कैप्टन कासिम और कैप्टन तलहा के तौर पर हुई है। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्रस्तावित पेलेट प्लांट स्थानांतरण के विरोध में निकाली गई मशाल रैली

दल्लीराजहरा। लौह अयस्क नगरी से लगातार बीएसपी प्रबंधन सुविधाओं से अपने हाथ खींच रहा है और जो योजनांतर्गत प्लांट शुरू होना है उसे भी अन्यत्र स्थानांतरित करने की तैयारी कर रहे हैं । दल्ली माइंस में 1 लाख मिट्रिक टन का पैलेट प्लांट पहले ही संचालित है जिसमें सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिला । इसके साथ ही यहां 6 लाख मीट्रिक टन पैलेट प्लांट प्रस्तावित है जिसे शुरू किया जाना है दल्ली माइंस में , परन्तु अधिकारियों के लालच और मुनाफाखोरी के कारण अब उसे स्थानांतरित किए जाने की खबर है । इस प्रस्तावित पेलेट प्लांट के स्थापना से नगर और आस पास के सीमावर्ती क्षेत्रों के हजारों युवाओं को रोजगार मिलना है , जिससे सभी की आजीविका आसान होगी परंतु इस स्थानांतरण की खबर से नगर एवं आस पास के क्षेत्र के लोगों के रोष व्याप्त है । इस प्रस्तावित पेलेट प्लांट स्थानांतरण का विरोध करने राजहरा नगर पालिका वार्ड 24 के पार्षद , समाजसेवी विशाल मोटवानी के नेतृत्व में जनकल्याण विकास समिति के तत्वावधान में 12 जून को समिति अध्यक्ष रवि नेताम संग समिति के देव भंडारी , पुराण करपाल ग्राम घोबेदंड से विशाल रैली निकाली गई जिसमें बीएसपी प्रबंधन के खिलाफरैली को जैन भवन चौक के मंच से संबोधन और स्थानांतरण पर उग्र आंदोलन के हुँकार के साथ समाप्ति की गई। रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और विरोध प्रदर्शन को व्यापारी संघ तथा परिवहन संघ का साथ प्राप्त हुआ जिससे प्रदर्शनकारियों में और जोश आया ।हमारे द्वारा अभी केवल सांकेतिक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया है , परन्तु प्लांट के स्थानांतरण पर उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी बीएसपी प्रबंधन के अधिकारियों की होगी । बात नगर के भविष्य की है , हम आखिरी साँस तक लड़ेंगे और बीएसपी के प्लांट में नगर विकास की बात है , हजारों युवा बेरोजगारों को आजीविका का साधन मिलने के हक से बीएसपी युवाओं को वंचित नहीं कर सकती , व्यापारी संघ समिति के साथ हर आंदोलन में खड़ा रहेगा : गोविंद वाधवानी , अध्यक्ष व्यापारी संघ।

जमीन विवाद को लेकर भाई की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। घर, जमीन का बटवारा एवं खेती किसानी के हिसाब की बात को लेकर आपस में लड़ाई -झगड़ा के दौरान आवेश में आकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया । प्रार्थी तोप सिंह साहू उम्र 38 वर्ष, निवासी ढारा थाना बेमेतरा जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि करीबन 15 दिनों से अपने परिवार के साथ बेमेतरा मे किराये के मकान मे रहकर मजदूरी का काम करता हूं। ग्राम ढारा के घर में मेरी मां और मंझला भाई प्रदीप साहू व छोटा भाई जलेश्वर साहू रहते है। 13.06.2026 को वह पेट्रोल पंप बेमेतरा के पास के घर मे मजदूरी काम करने गया था कि दोपहर 02.13 बजे मेरा मंझला भाई प्रदीप अपने मोबाईल फोन कर बोला कि घर का बटवारा करना है तब वह बोला कि ठीक है आ रहा हूं बैठ के बात करेंगे, मोबाईल से मंझले भाई प्रदीप व छोटे भाई जलेश्वर के लड़ाई झगड़ा करने की आवाज आ रहा था। काम कर ही रहा था कि दोपहर 02.29 बजे छोटा भाई जलेश्वर साहू ने अपने मोबाईल से मुझे फोन कर खेती किसानी के पैसे का हिसाब पूछने लगा तब मोबाईल में दोनो भाईयो के आपस में लड़ने झगड़ने का आवाज आ रहा था। तब काम छोड़कर दोपहर करीबन 03 बजे बेमेतरा से घर ढारा आया तो छोटा भाई जलेश्वर साहू घर के दरवाजे में बैठा था जिससे प्रदीप कहां है पूछा तो बोला कि वो मेरे से झगड़ रहा था गुस्से घर में गैती से उसे मार दिया हूं, तब घर अंदर जाकर देखा तो मंझला भाई प्रदीप घर के परछी मे खून से लथपथ पड़ा था जिसके सिर में गंभीर चोट लगा हुआ है मेरे मंझला भाई प्रदीप साहू की मृत्यु छोटे भाई जलेश्वर साहू के द्वारा गैती से उसके सिर में प्राण घातक वार कर हत्या करने से मृत्यु हुआ है, कि रिपोर्ट पर थाना बेमेतरा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने तत्काल पता जमसाजी कर आरोपी के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिए। जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला को अपराध विवेचना हेतु थाना स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी जलेश्वर साहू को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार किया। पुछताछ करने पर पता चला कि घर, जमीन का बटवारा एवं खेती किसानी के हिसाब की बात को लेकर आपस में लड़ाई -झगड़ा के दौरान आवेश में आकर गैती से सिर में प्राण घातक वार कर हत्या करना। आरोपी के निशादेही पर घटना में प्रयुक्त लोहा का गैती व अन्य समाग्री जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। प्रकरण में आरोपी जलेश्वर साहू पिता स्व. भरत साहू उम्र 23 वर्ष निवासी ढारा थाना व जिला बेमेतरा को दिनांक 13 मई 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का राजेश दुबे ने किया भूमि पूजन

बेमेतरा। नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित ग्राम बंधी में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ जहां पर जिला सरपंच संघ के पूर्व अध्यक्ष राजेश दत्त दुबे के मुख्य अतिथि में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन संपन्न हुआ इस अवसर पर राजेश जैन सूरज साहू गया राम सुखीराम महेंद्र जायसवाल महेश साहू सरपंच राजेन्द्र बनाफर नारायण साहू जयकरण साहू सुखदेव साहू राघे कमलेश शत्रुघ्न रामलाल बलदाऊ साहू ताराचंद लेखराम कृष्णा राजपूत प्रदीप साहू हिरेन्द कोसले रोहित यादव सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे जानकारी के मुताबिक 15 वित्त आयोग वर्ष वित्तीय वर्ष 2026 -27

में ग्राम बंधी में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन के लिए प्रशासकीय स्वीकृति 28 लाख 50000 की हुई है उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण होने के बाद क्षेत्रीय लोगों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी के निराकरण के लिए भवन उपलब्ध हो जाने से लोग ग्रामीणों को राहत मिलेगा।

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कर्मचारियों की सुविधा पर कब्जा

इंजीनियर के उपयोग में दोनों क्वार्टर, कर्मचारी सोफे और डाइनिंग रूम में काट रहे समय

बालोद। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के बालोद जिला मुख्यालय स्थित रेस्ट हाउस एवं सर्किट हाउस परिसर में कर्मचारियों के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली आवासीय सुविधा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार कर्मचारियों के लिए आरक्षित शासकीय क्वार्टर का उपयोग भी कथित रूप से एक इंजीनियर द्वारा किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों के सामने ठहरने और विश्राम की समस्या उत्पन्न हो गई है। मामला अब विभागीय व्यवस्था, जवाबदेही और कर्मचारियों के अधिकारों से जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार परिसर में कुल दो शासकीय क्वार्टर निर्मित हैं। इनमें एक क्वार्टर विभाग में पदस्थ इंजीनियर के लिए और दूसरा रेस्ट हाउस एवं सर्किट हाउस में कार्यरत कर्मचारियों की सुविधा के लिए निर्धारित था। कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों से कर्मचारियों के लिए निर्धारित क्वार्टर को भी इंजीनियर के आवासीय परिसर में शामिल कर लिया गया है। दोनों अलग-अलग क्वार्टरों को एकीकृत कर बड़े आवास के रूप में उपयोग किए जाने की चर्चा विभागीय गलियारों में बनी हुई है।

आराम के लिए नहीं बची जगह, सोफे और डाइनिंग रूम बने सहारा

रेस्ट हाउस में कार्यरत कर्मचारियों का कहना है कि पहले उन्हें ड्यूटी के दौरान आराम और रात्रि विश्राम के लिए अलग आवासीय सुविधा उपलब्ध थी। इससे लंबे समय तक ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को राहत मिलती थी। लेकिन कर्मचारियों के हिस्से का क्वार्टर उपयोग से बाहर होने के बाद अब उनके पास कोई निर्धारित विश्राम कक्ष नहीं बचा है। स्थिति यह है कि कर्मचारियों को कभी रेस्ट हाउस के सोफे पर तो कभी डाइनिंग रूम में बैठकर समय बिताना पड़ता है। कई बार रात की ड्यूटी या विशेष कार्यक्रमों के दौरान भी उन्हें पर्याप्त सुविधा नहीं मिल पाती, जिससे उनकी कार्यक्षमता और सुविधा दोनों प्रभावित हो रही हैं।

डर के साए में कर्मचारी, खुलकर नहीं कर पा रहे शिकायत

मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कर्मचारी अपनी समस्या सार्वजनिक रूप से रखने से भी बच रहे हैं। नाम उजागर न करने की शर्त पर कर्मचारियों ने बताया कि विभागीय दबाव और नौकरी पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका के कारण वे खुलकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। कर्मचारियों का कहना है कि यदि वे आधिकारिक शिकायत करते हैं तो उनके खिलाफप्रतिकूल माहौल बन सकता है। यही वजह है कि वे दबे स्वर में अपनी पीड़ा व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे।

जांच और कार्रवाई की मांग तेज

मामला सामने आने के बाद कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि कर्मचारियों के लिए बनी मूलभूत सुविधा आखिर किसके संरक्षण में है और उसकी वास्तविक स्थिति क्या है। अब मांग उठने लगी है कि विभागीय स्तर पर पूरे मामले की जांच कराई जाए और यदि कर्मचारियों की सुविधा प्रभावित हुई है तो उसे तत्काल बहाल किया जाए।

विभागीय निगरानी पर उठे सवाल

इस पूरे घटनाक्रम ने विभागीय निगरानी और प्रशासनिक जवाबदेही पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कर्मचारियों के लिए निर्मित शासकीय सुविधा का उपयोग यदि किसी अधिकारी द्वारा किया जा रहा है तो क्या इसकी जानकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को है..? यदि जानकारी है तो अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई..? और यदि जानकारी नहीं है तो यह निगरानी व्यवस्था की गंभीर चूक मानी जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि कर्मचारियों के लिए निर्धारित सुविधाओं का संरक्षण और उचित उपयोग सुनिश्चित करना विभाग की जिम्मेदारी है। यदि ऐसी सुविधाएं प्रभावित होती हैं तो इसका सीधा असर कर्मचारियों के मनोबल और कार्यप्रणाली पर पड़ता है।

गौरमाटी में बच्चों के खेल मैदान पर कब्जे की कोशिश

कवर्धा। कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गौरमाटी में बच्चों के खेल मैदान पर अतिक्रमण का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह केवल शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे का मामला नहीं, बल्कि गांव के बच्चों के भविष्य और उनके अधिकारों पर सीधा हमला है। जिस भूमि को शासकीय हाई स्कूल के विद्यार्थियों के खेलकूद और शारीरिक विकास के लिए सुरक्षित रखा गया था, उसी भूमि पर कथित रूप से अवैध निर्माण कर कब्जा जमाने की कोशिश की जा रही है।

प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, ग्राम गौरमाटी के खसरा नंबर 44 की लगभग 4.38 एकड़ शासकीय भूमि हाई स्कूल के खेल मैदान के लिए आरक्षित है। शिकायत मिलने के बाद नायब तहसीलदार सहसपुर लोहारा ने विवादित स्थल पर निर्माण कार्य तत्काल रोकने का आदेश जारी किया है। आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अंतिम निर्णय तक यथास्थिति बनाए रखी

जाए और किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न किया जाए। इससे साफहै कि प्रथम दृष्टया मामला गंभीर है और अतिक्रमण की आशंका मजबूत दिखाई दे रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बच्चों के खेल मैदान जैसी संवेदनशील सरकारी भूमि पर कब्जा करने की हिम्मत आई कहां से । क्या अतिक्रमणकर्ता इतने बेखौफहो गए हैं कि अब स्कूलों के खेल मैदान भी सुरक्षित नहीं रहे या फिर कहीं न कहीं किसी प्रभावशाली व्यक्ति का संरक्षण उन्हें मिला हुआ है। क्योंकि बिना राजनीतिक या प्रशासनिक शह के सरकारी जमीन पर निर्माण शुरू कर देना आसान नहीं होता। खेल मैदान कोई बेकार पड़ी जमीन नहीं होती। यही वह स्थान है जहां बच्चे दौड़ते हैं, खेलते हैं, अनुशासन सीखते हैं और स्वस्थ जीवन की नींव रखते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वैसे भी खेल सुविधाओं की कमी रहती है। ऐसे में यदि बच्चों के लिए आरक्षित मैदान पर कब्जा होने लगे तो यह शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था दोनों के लिए बेहद चिंताजनक स्थिति है। प्रशासन को इस मामले में केवल नोटिस जारी कर औपचारिकता निभाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यदि जांच में अतिक्रमण साबित होता है, तो अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त किया जाना चाहिए। बच्चों के खेल मैदान पर कब्जा करने वालों को संरक्षण नहीं, सीधी बुलडोजर कार्रवाई मिलनी चाहिए। यही कानून का संदेश होना चाहिए। नरमी बरतना भविष्य में अन्य अतिक्रमणकारियों का हौसला बढ़ाने जैसा होगा। अक्सर देखा गया है कि पहले सरकारी जमीन पर कब्जा किया जाता है, फिर रसूख और दबाव के दम पर मामला लंबा खींचा जाता है, और आखिर में वही कब्जा स्थायी रूप ले लेता है। यदि गौरमाटी के इस मामले में भी ढिलाई बरती गई तो यह पूरे क्षेत्र के लिए खतरनाक उदाहरण बन सकता है। स्थानीय ग्रामीणों का भी कहना है कि खेल मैदान बच्चों का अधिकार है, किसी निजी व्यक्ति की संपत्ति नहीं। लोगों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों की पहचान की जाए और यदि कब्जा पाया जाए तो बिना किसी दबाव के अवैध निर्माण तोड़ दिया जाए। साथ ही यह भी जांच होनी चाहिए कि निर्माण शुरू होने तक संबंधित राजस्व अमला आखिर कर क्या रहा था। अब पूरे क्षेत्र की नजर प्रशासन पर टिकी है। जनता साफ संदेश चाहती है– गौरमाटी का खेल मैदान हर हाल में बचना चाहिए। बच्चों के अधिकारों पर कब्जा करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। संरक्षण नहीं, ध्वस्तीकरण ही उचित जवाब है।

15 जून से प्रारंभ होगा मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का 14वां चरण

कवर्धा। कबीरधाम जिले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत 14वां चरण 15 जून 2026 से 14 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य वर्ष 2030 तक राज्य को पूर्णतः मलेरिया मुक्त बनाना तथा वर्ष 2027 तक शून्य स्थानीय मलेरिया प्रकरण प्राप्त करना है। इस दौरान समुदाय स्तर पर मलेरिया परजीवी के समूल उन्मूलन एवं संक्रमण श्रृंखला को समाप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर सर्वेक्षण जांच, उपचार एवं जन-जागरुकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। सीएमएचओ डॉ तूरे ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए सभी संबंधित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण एवं बैठक आयोजित की जा चुकी है तथा मैदानी स्तर पर कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जा चुका है। विकासखंड बोड़ला के 114 ग्रामों में की 58,159 जनसंख्या को कवर करते हुए घर-घर जाकर मलेरिया जांच की जाएगी। इसके लिए 114 सर्वे दल गठित किए गए हैं जिनमें प्रत्येक दल में दो स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल हैं। सर्वे के दौरान प्रत्येक घर में स्टिकर चस्पा किया जाएगा तथा जांच किए गए व्यक्तियों के पैर के अंगूठे के नाखून में नेल मार्किंग की जाएगी, जिससे दोहराव से बचा जा सके और शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित हो। अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर आरडीटी किट के माध्यम से मलेरिया जांच की जाएगी तथा पॉजिटिव पाए जाने वाले मरीजों को तत्काल मलेरिया रोधी दवाएं उपलब्ध कराकर पूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। जांच किए गए व्यक्तियों का विवरण आयुष्मान कार्ड नंबर/आभा आईडी नंबर/राशन कार्ड नंबर के आधार पर मोबाइल एनआईसी ऐप में रियल टाइम दर्ज किया जाएगा।

जिससे निगरानी एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनी रहे। साथ ही मच्छरदानी के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा तथा लार्वा स्रोत नियंत्रण एवं स्वच्छता गतिविधियों को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा।

भीषण गर्मी में अग्निसुरक्षा सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान

दल्लीराजहरा। भारत सरकार गृह मंत्रालय महानिदेशालय, अग्निशमन सेवा, नई दिल्ली एवं मुख्यालय नगर सेना रायपुर द्वारा ग्रीष्म ऋतु के दौरान आवासीय एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिये अग्निसुरक्षा संबंधित जागरूकता अभियान हेतु एडवाइजरी जारी की है। जिसके अंतर्गत घर की बिजली की वायरिंग और अप्लायंसेज, खासकर एयर कंडीशनर, कूलर और रेफ्रिजरेटर का समय-समय पर निरीक्षण जरूर करें। बिजली का इस्तेमाल सावधानी से करें और जब इस्तेमाल न हो रहा हो तो अप्लायंसेज को बंद कर दें। सिर्फ आईएसआई मार्क (सही रेटिंग) वाले बिजली के उपकरण इस्तेमाल करें और ढीले कनेक्शन से बचें। बिजली के उपकरणों का लगातार इस्तेमाल न करें। रेजिडेंशियल यूनिट के लिये कम्पैटिबल इलेक्ट्रिक लोड पक्का करें। जब अप्लायंस इस्तेमाल में न हो, तो उन्हे बंद कर दे, खासकर जब बहुत ज्यादा गर्मी हो। एलपीजी सिलेंडर को सीधा रखें और साबुन के घोल से लीकेज चेक करें। पर्दे, लटकने वाली चीजें, दीये, मोमबत्तियां, अगरबत्ती वगैरह जैसी खुली लौ को पावर सॉकेट से दूर रखें। ओवरहीटिंग से बचने के लिये सही वेंटिलेशन बनाए रखें। इमरजेंसी में इस्तेमाल के लिये पानी, रेत की बाल्टियां आसानी से उपलब्ध रखें। परिवार के सभी सदस्यों को आग से सुरक्षा के तरीकों और इमरजेंसी में मदद हेतु डायल 101, 112 के बारे में बताएं। बालकनी, कॉरिडोर और सीढ़ियों को फालतू सामान से मुक्त रखें। पक्का करें कि बिल्डिंग की आने-जाने वाली सड़कें फायर सर्विस की गाड़ियों के लिये बिना रूकावट वाली हो। इसके साथ ही बिजली के सॉकेट पर ज्यादा लोड न डाले या एक ही एक्सटेंशन बोर्ड पर कई ज्यादा लाड वाले उपकरण इस्तेमाल न करें। बिजली की तारे ढीली न रखें, बिजली खींचने वाले उपकरण जैसे कंप्रेसर वगैरह को एक दूसरे के पास न रखें। घर के अंदर ज्वलशील पदार्थ (केरोसीन, पेट्रोल, पटाखे) न रखे। खराब तार, ढीले प्लग इलेक्ट्रिकल फिटिंग का इस्तेमाल न करें।

सिंघोडा पीएम प्राथमिक शाला में दस दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

सरायपाली। पीएम शासकीय प्राथमिक शाला सिंघोड़ा में आयोजित दस दिवसीय समर कैंप 2026 का समापन समारोह उत्साह, उमंग एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समर कैंप का शुभारंभ 5 जून से प्रारंभ हुआ था, जिसके अंतिम दिवस पर पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल एवं कौशल आधारित गतिविधियों का सफल संचालन किया गया। बच्चों ने पूरे दस दिनों तक सीखने, खेलने और अपनी प्रतिभा को निखारने का भरपूर अवसर प्राप्त किया। समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों के लिए कबड्डी, खो-खो, दौड़ प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर, बोरा दौड़, नींबू-चम्मच दौड़, गेंद संतुलन, योग एवं व्यायाम,

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, चित्रकला, रंग भराई, हस्तकला निर्माण, कहानी वाचन, भाषण, गीत-संगीत, नृत्य, समूह खेल एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता, खेल प्रतिभा और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथियों के रूप में देवानंद पटेल (बीआरसी), सोमदेव तिवारी (पीएम झिलमिला), शांति दास (पंच, सिंघोड़ा), सच्चिदानंद भोई (संकुल समन्वयक, सिंघोड़ा), जनक राम भोई (एसएमसी अध्यक्ष, पीएम सिंघोड़ा), शांति दास, चंद्रकला भोई (पंच, सिंघोड़ा), प्रदीप छत्रे प्रधान पाठक पलसाभाडी, अजय आर्य शिक्षक चिवराकुटा, बालकृष्ण आर्य संगीत शिक्षक झिलमिला, सहित ग्राम पंचायत के पंचगण, समाज के प्रबुद्धजन, अभिभावक एवं शिक्षण स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोकनृत्य, समूह गीत एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा, अनुशासन एवं उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय परिवार द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा करते हुए बच्चों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अंत में प्रधान पाठक पूर्णिमा नाग ने समर कैंप की सफलता में योगदान देने वाले सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, ग्रामवासियों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के शिविर अत्यंत आवश्यक हैं, जो उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच एवं सहयोग की भावना विकसित करते हैं। शिक्षकों ने पूरे दस दिनों तक समर्पण और उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया, बच्चों का मार्गदर्शन किया ।

संक्षिप्त समाचार

15 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस सहायता केंद्र राहौद ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 15 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (आईपीएस) के निर्देशन में चल रही कार्रवाई के दौरान पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी एएसआई राजेंद्र सिंह क्षत्रिय के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी की। इस दौरान अमृत लाल सूर्यवंशी उर्फ मुँचू (32 वर्ष) निवासी बूंदेला भूतहापारा, थाना शिवरीनारायण को पकड़ा गया।तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से करीब 15 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 3 हजार रुपये बताई गई है, बरामद की गई। पुलिस ने शराब को जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में पुलिस सहायता केंद्र राहौद के स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसकी विभाग द्वारा सराहना की गई है।

छात्रा आत्महत्या मामले में प्रेमी गिरफ्तार

रायपुर। पीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही एक छात्रा की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में खुलासा हुआ है कि प्रेमी की दूसरी युवती से बातचीत को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था, जिससे आहत होकर छात्रा ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। जानकारी के अनुसार, जांजगीर-चांपा जिले के मुलमुला सोनसरी निवासी आयूषी कुर्रे उर्फ खुशी बिलासपुर के जरहाभाठा क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर पीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। 20 मार्च 2026 को उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आयूषी का गांव के ही निवासी दीपक खाण्डे के साथ प्रेम संबंध था। घटना वाले दिन शाम करीब 6 बजे दीपक उसके कमरे से निकला था। इसके बाद आयूषी लगातार उसे मोबाइल फोन कर रही थी, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया। पुलिस जांच में सामने आया कि दीपक किसी दूसरी युवती से भी बातचीत कर रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

पशु तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 12 मवेशी बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार किए

रायपुर। जिले की राजपुर पुलिस ने अवैध पशु परिवहन और पशुओं के प्रति क्रूरता के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 12 मवेशियों को बरामद कर उन्हें सुरक्षित कब्जे में लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 11 जून 2026 की रात सूचना मिली कि ग्राम गोपालपुर क्षेत्र में एक पिकअप वाहन में पशुओं को अवैध रूप से भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर वाहन की घेराबंदी कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पिकअप वाहन क्रमांक यूपी -65 क्यू टी -1375 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में पशुओं को अत्यंत क्रूर तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरा गया था।

बोदरी में संत गाडगे बाबा की 150वीं जयंती समारोह में हुए शामिल

42 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

- संत गाडगे बाबा के आदर्शों पर चलकर समरस, स्वच्छ और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करें : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय
- सामुदायिक भवन, खेल मैदान, स्कूल उन्नयन और तालाब सौंदर्यीकरण सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बिलासपुर जिले के बोदरी में आयोजित संत शिरोमणि गाडगे बाबा की 150वीं जयंती, शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने संत गाडगे बाबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके बताए सेवा, स्वच्छता, सामाजिक समरसता तथा मानव कल्याण के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने लगभग 42 करोड़ रुपये की लागत की सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क अधोसंरचना विकास की आधारशिला है और इन परियोजनाओं से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बढ़ने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि संत गाडगे बाबा का संपूर्ण जीवन समाज सुधार, स्वच्छता और मानव सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने छुआछूत, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर समाज को

नई दिशा दी। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित स्वच्छ भारत मिशन, संत गाडगे बाबा के स्वच्छता और जनजागरण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कन्नौजे रजक समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 60 लाख रुपये तथा संत गाडगे भवन निर्माण हेतु 25 डिसमिल भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की। साथ ही सन्नडय कुर्मी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 60 लाख रुपये और वर्मा समाज के सामुदायिक भवन के लिए 20 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने धमनी-चकरभाठा मिडिल स्कूल को हाई स्कूल में उन्नयन, बोदरी में एयरपोर्ट के समीप खेल मैदान उपलब्ध कराने तथा जोरा तालाब के सौंदर्यीकरण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और समाज के पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए कहा कि ऐसे सम्मान समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज को संगठित और जागरूक बनाने में सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आध्यात्मिक मूल्यों से ही संभव है स्वस्थ और संस्कारित समाज का निर्माण

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोड़ी (राछा) स्थित सत्य निजनाम बोध संस्थान में आयोजित सत्य निजनाम सत्संग सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर संस्थान के सदस्यों ने पुष्पवर्षा एवं गजमाला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने परमपूज्य सद्गुरु सत्य कबड्डीदास जी एवं पूजनीया गुरुमाता सत्य लीला देवी जी से भेंट कर आशीर्वाद लिया तथा आश्रम परिसर में लाल चंदन का पौधा रोपा। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सत्य निजनाम बोध संस्थान आध्यात्म और नशामुक्ति के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है।

गैस सिलेंडर की मारामारी से उपभोक्ता हो रहे परेशान

रायपुर। अमेरिका और ईरान के बीच हो रहे युद्ध के चलते यहां दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुएं महंगी हो गई है वहीं पेट्रोल डीजल की किल्लत भी प्रदेश के अन्य जिलों में आम उपभोक्ता झेल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सार्वजनिक बयान दे चुके हैं कि प्रदेश एवं देश में पेट्रोल डीजल एवं गैस की कोई कमी नहीं है। आम जनता अफवाहों के जाल में न फंसे जबकि जमीनी तौर पर स्थिति कुछ और है। रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह द्वारा गैस एवं पेट्रोल डीलरों के बैठक में अनावश्यक रूप से उपभोक्ता को परेशान करने पर सख्त कार्यवाही किए जाने की चेतावनी दी गई थी इसके बाद भी शहर के गैस डीलर आम उपभोक्ता को केवाईसी एवं ओटीपी के नाम पर परेशान कर रहे हैं। शहर में गैस उपभोक्ता गैस सिलेंडर की रिफील की कालाबाजारी से परेशान हो रहे हैं। 2000 रूपए देने पर भी गैस रिफील उपभोक्ताओं को नहीं मिल रही है। गैस महिला उपभोक्ता दलदल सिवनी निवासी रेखा बंजारे एवं पुराना राजेन्द्रनगर निवासी भारती अग्रवाल ने कलेक्टर रायपुर एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से गैस सिलेंडर रिफील की कालाबाजारी रोकने की मांग की है। गौरतलब है कि मिली जानकारी के अनुसार पिछले दिनों धमतरी में पेट्रोल की कालाबाजारी किए जाने की सूचना मिली है, वहां पर वाहन चालकों को 140 रूपए लीटर पेट्रोल बेचा जा रहा है। जबकि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में एवं कांकेर में भी अधिकांश पेट्रोल पंप सूखे हुए हैं जिसके चलते दोपहिया वाहन एवं चौपहिया वाहन चालक परेशान हो रहे हैं।

4 वर्षीय मासूम के इलाज के लिए 6 लाख रुपये स्वीकृत किए गए....

- मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना बनी वरदान

रायपुर/ संवाददाता

संवेदनशील सरकार जब गरीब और जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ी होती है, तो बड़ी से बड़ी मुश्किलें भी आसान हो जाती हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप संचालित 'मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना' आज प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक नया जीवनदाता बनकर उभर रही है। इस योजना ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के एक गरीब परिवार के सूने आँगन में फिर से उम्मीद की किरण जगा दी है। बरमकेला विकासखंड

के ग्राम महोदी निवासी नवीन प्रधान की चार वर्षीय पुत्री आँचल प्रधान जन्म से ही सुन नहीं पाती थी। बेटी की इस समस्या के कारण पूरा परिवार गहरे मानसिक और आर्थिक तनाव से गुजर रहा था। उम्र बढ़ने के साथ आँचल के विकास और उसके भविष्य को लेकर माता-पिता की चिंताएं भी बढ़ती जा रही थीं। डॉक्टरों ने बेहतर इलाज और सर्जरी की सलाह तो दी, लेकिन उसमें आने वाला लाखों रुपये का खर्च इस गरीब परिवार की हैसियत से कोसों दूर था। नवीन प्रधान ने अपनी लाडली के इलाज के लिए हर दरवाजा खटखटाने के बाद, जब नवीन प्रधान को कोई रास्ता नहीं सूझा, तो उन्होंने जिला स्वास्थ्य विभाग से गुहार लगाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के 'अंत्योदय' और 'सुशासन' के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाई। प्रशासन द्वारा त्वरित गति से प्रकरण तैयार कर राज्य सरकार को मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत भेजा गया। संवेदनशील मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य शासन द्वारा मासूम आँचल के इलाज के लिए 6 लाख रुपये की भारी-भरकम सहायता राशि को बिना किसी विलंब के स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

रक्तदान सबसे बड़ा दान इससे बड़ी कोई सेवा नहीं राज्यपाल रमेन डेका

- विश्व रक्तदाता दिवस पर राज्यपाल ने रक्तदाताओं का किया सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है दूसरे के जीवन की रक्षा करना और यह अपने ही रक्त के एक बूंद से हो सके तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। रक्त का दान सबसे बड़ा दान होता है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज प्रदेश के स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान करते हुए उक्त बातें कहीं। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मानित करने के लिए लोकभवन में समारोह आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के अध्यक्ष राज्यपाल श्री डेका ने सर्वाधिक रक्तदान करने वाले प्रदेश के 30 स्वैच्छिक रक्तदाताओं सहित विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर लोकभवन में रेडक्रॉस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अन्य लोगों ने उत्सव पूर्वक रक्तदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह केवल स्वस्थ व्यक्ति के स्वैच्छिक दान से ही उपलब्ध हो सकता है। राज्यपाल ने कहा कि थैलेसीमिया, सिकल सेल, एनीमिया, हिमोफिलिया, कैंसर तथा दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में जो सेवा भाव है वह दूसरी जगह देखने को नहीं मिलती। रक्तदाताओं ने वर्षों से नि:स्वार्थ भाव से रक्तदान कर अनेक लोगों को नया जीवन दिया है। ऐसे रक्तदाता समाज के लिए प्रेरणा हैं और उनकी सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण है। राज्यपाल ने रेडक्रॉस ब्लड बैंक और उसकी टीम के कार्यों की भी सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था वर्षों से जरूरत मंदों तक जीवनदायी रक्त पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन श्री तोमन साहू ने स्वागत उदबोधन दिया तथा छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. रूपल पुरोहित ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस स्मारिका का विमोचन किया गया।

राशन कार्डधारियों को मिल रहा खाद्य सुरक्षा का लाभ...

- 497 उचित मूल्य दुकानों में ई-पॉस मशीन के माध्यम से हो रहा राशन वितरण

रायपुर/ संवाददाता

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रदेश के जरूरतमंद नागरिकों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा किसानों को समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में इन योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले में वर्तमान में 497 उचित मूल्य दुकानें संचालित हैं, जहां ई-पॉस मशीनों के माध्यम से आधार आधारित खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। राशन कार्ड से लिंक आधार संख्या के आधार पर पात्र हितग्राहियों को पारदर्शी एवं सुगम तरीके से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जशपुर जिले में कुल 2 लाख 68 हजार 108 राशन कार्डधारी हितग्राही खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इनमें 2 लाख 51 हजार 358 बीपीएल तथा 16 हजार 780 एपीएल श्रेणी के हितग्राही शामिल हैं। प्रदेश में राशन कार्ड की श्रेणी के अनुसार हितग्राहियों को प्रतिमाह 10 किलोग्राम से 35 किलोग्राम तक चावल प्रदान किया जाता है। वहीं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में अंत्योदय श्रेणी के हितग्राहियों को चावल के साथ प्रति माह 2 किलोग्राम चना एवं 1 किलोग्राम शक्कर भी उपलब्ध कराई जाती है।

किराये के मकान में चल रहा देह व्यापार

रायपुर। पुलिस ने देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना चक्रधरनगर क्षेत्र के छोटे अतरमुड़ा स्थित एक किराये के मकान में संचालित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने महिला दलाल सहित दो ग्राहकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में 11 जून 2026 को यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा एवं डीएसपी ट्रैफिक उत्तम प्रताप सिंह के नेतृत्व में थाना चक्रधरनगर और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित कर संदिग्ध मकान पर योजनाबद्ध छापेमारी की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि छोटे अतरमुड़ा स्थित साईं मंगलम गली के एक किराये के मकान में महिला गुंजन चौहान अवैध रूप से युवतियों से देह व्यापार करवा रही है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक पाइंटर को ग्राहक बनाकर मौके पर भेजा। तय संकेत मिलने के बाद टीम ने तत्काल दबिश दी। छापेमारी के दौरान मकान के कमरों में महिलाएं और पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए। मौके से कुल तीन युवतियों को सुरक्षित बरामद किया गया। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री और पाइंटर द्वारा दिए गए 2,500 रुपये नकद भी जब्त किए गए।

उप मुख्यमंत्री 36वें नेशनल कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप के समापन समारोह में हुए शामिल

कयाकिंग-कैनोइंग को आगे बढ़ाने हरसंभव सहयोग देगी सरकार

- 24 राज्यों के 810 खिलाड़ी हुए शामिल, मध्यप्रदेश बना ओवरआल चैंपियन

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव आज नवा रायपुर के सेंध जलाशय में आयोजित 36वें नेशनल कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों और टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। विगत 12 जून से प्रारंभ इस चैंपियनशिप में देश के 24 राज्यों के 810 खिलाड़ियों तथा करीब 400 अधिकारियों, खेल संघों के पदाधिकारियों और सपोर्टिंग स्टॉफ ने भागीदारी की। चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश ओवरऑल चैंपियन बना। केरलम और ओड़िशा क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मंत्री गुरू खुशवंत साहेब भी समापन समारोह में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समापन समारोह में खिलाड़ियों और विभिन्न राज्यों से आए कयाकिंग-कैनोइंग संघों के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी इस खेल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। देशभर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में राज्य के लिए पदक जीत कर ला रहे हैं। राज्य में कयाकिंग-कैनोइंग को और आगे बढ़ाने सरकार हरसंभव सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल और खिलाड़ियों की तरक्की एवं बेहतरी के लिए लगातार काम हो रहे हैं। भारत सरकार 2047 तक विकसित भारत के साथ ही देश को दुनिया की पांच बड़ी खेल शक्तियों में शामिल करने रोडमैप बनाकर काम कर रही है। ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स

में भारत के खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा पदक जीते, इसके लिए योजना बनाकर काम कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि आज खेलों का महत्व केवल खेल तक ही सीमित नहीं है। यह नौजवानों के विकास और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने का बड़ा माध्यम है। देश के वातावरण को बदलने के लिए ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेल के मैदान में लाना पड़ेगा। खेल के मैदान से सब कुछ मिलता है। मान-सम्मान, धन-दौलत, शोहरत... ये सब खेल के मैदान से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो खेलेगा वही खिलेगा, इसलिए आप खूब खेलें, खूब आगे बढ़ें। उन्होंने नवा रायपुर में इस चैंपियनशिप के शानदार आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने अपने संबोधन में कहा कि मौसम की प्रतिकूलता के बावजूद तीन दिनों तक यहां अच्छा आयोजन हुआ है। देशभर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि खेल अब एक अच्छा करियर भी हो गया है। खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए सरकार लगातार सुविधाओं व अधोसंरचनाओं को मजबूत कर रही है। इससे बड़ी संख्या में युवा खेलों को अपना रहे हैं। उन्होंने प्रतियोगिता के सभी विजेता खिलाड़ियों एवं टीमों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नवा रायपुर के सेंध जलाशय में 36वें नेशनल कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप के तहत महिला एवं पुरूष वर्ग में जूनियर और सब-जूनियर स्तर पर कयाकिंग-कैनोइंग की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। समापन समारोह में छत्तीसगढ़ प्रदेश कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री बलदेव सिंह भाटिया, सचिव श्री प्रशांत रघुवंशी, एशियन कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रशांत कुशवाहा, उत्तराखंड कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के डॉ. डी.के. सिंह और ओड़िशा कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के श्री विपिन दास सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

संपादकीय

ईरान-अमेरिका-वार्ता के साथ सैन्य दबाव, शांति की राह में सबसे बड़ी बाधा

एक तरफ समझौते की बात की जाती है, दूसरी ओर सैन्य विकल्प चुनने की धमकी दी जाती है। इस द्वंद्व के बीच शांति कायम होने के सभी दावे धरे रह जाते हैं।ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम की उम्मीद बंधती है और फिर टूट जाती है। यह स्थिति युद्ध शुरू होने के बाद से ही जारी है। पिछले तीन महीने से युद्ध चल रहा है, लेकिन जब शांति वार्ता की बात आती है, तो आमने-सामने और दूरगामी स्थितियों को ध्यान में रखकर संवाद करने की जरूरत नहीं समझी जाती।अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत किसी सहमति के बिंदु पर नहीं पहुंच रही, तो इसे समझने की जरूरत है। दोनों पक्ष जिस तरह अपनी शर्तों पर अड़े हैं, उससे वैश्विक शांति को तो खतरा है ही, दुनिया भर में ऊर्जा संकट भी गहरा रहा है।गौरतलब है कि ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही अप्रत्यक्ष वार्ता स्थगित कर दी है। उसने क्षेत्रीय तनाव बढ़ने पर यह कदम उठाया है। यह निराशाजनक ही है कि एक तरफ कूटनीतिक कदम उठाने की बात की जाती है, फिर अचानक हमले की स्थिति पैदा कर दी जाती है। पिछले सप्ताह के आखिर में भी अमेरिका ने ईरान के भीतर कई ठिकानों पर बमबारी की। इसके अलावा, लेबनान पर इजराइल के लगातार हमलों से ईरान नाराज है और वह चाहता है कि ये हमले रोक दिए जाएं।हालांकि यह मुद्दा युद्धविराम की मुख्य शर्तों में शामिल है। मगर सवाल है कि अमेरिका युद्धविराम को ताक पर रखकर खुद को या इजराइल को हमले करने से क्यों नहीं रोक पा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि अगर दोनों पक्ष गंभीरता से कूटनीतिक पहल करते, तो शांति का कोई रास्ता निकल सकता था। मगर जैसे ही बात आगे बढ़ती है, उसमें दबाव बढ़ाने के साथ रणनीतिक शर्तें जोड़ दी जाती हैं। इससे संवाद के पुल गिर जाते हैं।मौजूदा स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ईरान ने होर्मुज जलमार्ग पर अपना दबदबा बढ़ाने और उसे सख्ती से बंद करने का संकेत दिया है। समझौते की कवायद कई दिनों से चल रही है, लेकिन कोई सार्थक परिणाम नहीं निकल रहा, तो आखिर इसकी क्या वजह है। स्पष्ट है कि एक तरफ समझौते की बात की जाती है, दूसरी ओर सैन्य विकल्प चुनने की धमकी दी जाती है। इस द्वंद्व के बीच शांति कायम होने के सभी दावे धरे रह जाते हैं। बेहतर हो कि अमेरिका और ईरान स्थायी युद्धविराम और शांति की ओर कदम बढ़ाएं। सैन्य टकराव से आखिरकार कोई समस्या हल नहीं होती।

वर्ष 2017 में लागू जीएसटी को स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में माना जाता है। अनेक अप्रत्यक्ष करों को हटाकर एक राष्ट्र, एक कर की अवधारणा को मजबूत किया गया, जिससे पारदर्शिता बढ़ी, कर आधार विस्तृत हुआ और राजस्व संग्रह अधिक व्यवस्थित बना। दिव्य भास्कर के अनुसार भारत का जीडीपी वर्ष 2014 के लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में 4.18 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। भारत जापान को पीछे छोड़ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जबकि इकानामी सर्वे 2025-26 ने एफवाय 26 में 7.4 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। कोविड के बाद आत्मनिर्भर भारत अभियान आर्थिक रणनीति का केंद्र बना।

परिवर्तन के 12 वर्ष- विकास, विरासत और वैश्विक नेतृत्व

(डॉ. शिवानी कटारा)

डिजिटल इंडिया अभियान ने पिछले दशक में भारत की आर्थिक और तकनीकी तस्वीर को व्यापक रूप से बदल दिया। भीम ऐप, आधार और यूपीआई जैसी पहलों ने भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाया, जहाँ आज विश्व के लगभग 49 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं।

पिछले 12 वर्षों में भारत ने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक परिवर्तनों का एक नया युग देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास ने केवल गति ही नहीं, बल्कि नई दिशा और नई चेतना भी प्राप्त की। आर्थिक सुधारों से लेकर डिजिटल क्रांति, राष्ट्रीय सुरक्षा से सामाजिक समावेशन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण तक भारत ने आत्मनिर्भरता, सुशासन और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर उल्लेखनीय यात्रा तय की है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ प्रारंभ हुई यह यात्रा आज विकसित भारत 2047 के व्यापक राष्ट्रीय संकल्प में रूपांतरित होती दिखाई देती है।

आर्थिक सुधार और वित्तीय समावेशन – मोदी सरकार की शुरुआती और सबसे महत्वाकांक्षी पहलों में वर्ष 2014 का मेक इन इंडिया अभियान प्रमुख रहा, जिसने भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा प्रदान की। घरेलू उत्पादन, विदेशी निवेश और सरल नियमों के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा निर्माण और मोबाइल उत्पादन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इससे रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिली।

इसी दौरान अंत्योदय के संकल्प के तहत आर्थिक समावेशन पर विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2015 में शुरू हुई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं को बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार और ग्रामीण उद्यमिता को नई पहचान दी। 6.3 करोड़ से अधिक एमएसएमई उद्यमों को सहायता मिली। वहीं, जन धन योजना के तहत 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिनमें 30.80 करोड़ खाते महिलाओं के नाम हैं। 36.73 करोड़ ग्रामीण खातों के साथ यह दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन अभियान बना।

वर्ष 2017 में लागू जीएसटी को स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में माना जाता है। अनेक अप्रत्यक्ष करों को हटाकर एक राष्ट्र, एक कर की अवधारणा को मजबूत किया गया, जिससे पारदर्शिता बढ़ी, कर आधार विस्तृत हुआ और राजस्व संग्रह अधिक व्यवस्थित बना। दुब्ब के अनुसार भारत का जीडीपी वर्ष 2014 के लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में 4.18 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। भारत जापान को पीछे छोड़ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जबकि इकानामी सर्वे 2025-26 ने एफवाय 26 में 7.4 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है।

कोविड के बाद आत्मनिर्भर भारत अभियान आर्थिक रणनीति का केंद्र बना। पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, टेलीकॉम और ऑटोमोबाइल सहित 14 रणनीतिक क्षेत्रों को बढ़ावा मिला, जिसमें 5.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ। ईजी आफ डूइंग बिजनेस, जीएसटी सुधार और डिजिटल पारदर्शिता के कारण 2025-26 में रिकॉर्ड 94.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ। वहीं, नोटबंदी ने अल्पकालिक चुनौतियों के बावजूद डिजिटल भुगतान, औपचारिक अर्थव्यवस्था तथा काले धन, नकली मुद्रा और आतंक वित्तपोषण पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। वहीं, योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना ने सहकारी संघवाद, तकनीक-आधारित शासन और प्रशासनिक दक्षता को नई मजबूती प्रदान की।

डिजिटल इंडिया, सामाजिक सशक्तिकरण और आधारभूत विकास – डिजिटल इंडिया अभियान ने पिछले दशक में भारत की आर्थिक और तकनीकी तस्वीर को व्यापक रूप से बदल दिया। भीम ऐप, आधार और यूपीआई जैसी पहलों ने भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाया, जहाँ आज विश्व के लगभग 49 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। पीआई कई देशों में सक्रिय है, जबकि आईएमपीएस और फास्टटैग ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को और गति दी। डीबीटी ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल पारदर्शिता ने सरकारी योजनाओं में लीकेज कम किए तथा लाभार्थियों तक सहायता सीधे पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त किया। स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया जैसी पहलों ने उद्यमिता को नई ऊर्जा प्रदान की। इन योजनाओं ने युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों को रोजगार खोजने वालों से रोजगार सृजित करने वालों में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना ने पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और डिजिटल बाजार से जोड़कर नई पहचान प्रदान की।

सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में स्वच्छ भारत अभियान के तहत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ, जबकि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध हुई। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने बालिका शिक्षा, सुरक्षा और जागरूकता को राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप दिया। वहीं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने करोड़ों गरीब महिलाओं को धुएँ से मुक्ति दिलाकर स्वच्छ ईंधन, बेहतर स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन की नई दिशा दी। तीन तलाक प्रथा पर रोक लगाकर मुस्लिम महिलाओं को समानता, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की नई सुरक्षा प्रदान की गई।

कृषि क्षेत्र में पीएम किसान योजना के माध्यम से 11 करोड़ किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की प्रत्यक्ष सहायता दी गई। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में पीएम गति शक्ति योजना के तहत 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया। 3.5 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कें तथा तीव्र गति से विस्तारित राष्ट्रीय राजमार्गों ने देश की कनेक्टिविटी को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। नए हवाई अड्डों के निर्माण और 'उड़ान' योजना ने देश की हवाई कनेक्टिविटी का अभूतपूर्व विस्तार किया, जबकि वंदे भारत और तेजस जैसी आधुनिक ट्रेनों ने भारतीय रेल के आधुनिकीकरण को नई गति दी।

शिक्षा क्षेत्र में 2014 के बाद 1,200 से अधिक नए विश्वविद्यालय, 10 नए आईआईटी तथा 7 नए आईआईएम स्थापित किए गए। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर सामाजिक न्याय के दायरे का विस्तार किया गया, जिससे आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को शिक्षा और रोजगार में नए अवसर प्राप्त हुए।

नई शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल-आधारित और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया। स्किल इंडिया मिशन और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। वर्ष 2025 तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है। एआई,5जी,ड्रोन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में 400 से अधिक आधुनिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। इंडिया एआई मिशन और सेमीकंडक्टर मिशन ने भारत को भविष्य की प्रौद्योगिकियों का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया।

आखिर आर्थिक सुनामी के राजनीतिक व आर्थिक मायने मायने क्या हैं?

(कमलेश पांडे)

जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी।

राहुल गांधी की आर्थिक सुनामी वाली चेतावनी को फिलहाल एक राजनीतिक चेतावनी और आर्थिक जोखिमों पर विपक्षी आक्रमण के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका यह कहना कि भारत निश्चित रूप से आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ रहा है, अभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी होगी। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए इस बहस को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता।

आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में आर्थिक सुनामी आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था के पास पर्याप्त शॉक एब्जॉर्बर हैं–विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित महंगाई, खाद्यान्न भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कर-संग्रह जैसी व्यवस्थाएं–जो बाहरी संकटों का सामना करने में सक्षम हैं।

सवाल है कि क्या सचमुच आर्थिक संकट का खतरा है?– भारत के सामने कुछ वास्तविक चुनौतियां हैं- जैसे वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की आशंका। निर्यात और निवेश पर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर। रोजगार सृजन की चुनौती। और कृषि और एमएसएमई क्षेत्र पर दबाव। लेकिन साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, और कई आर्थिक संकेतक अभी व्यापक संकट की पुष्टि नहीं करते।

जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी। बैंकिंग या वित्तीय संकट। शेयर बाजार में भारी गिरावट। मुद्रा पर दबाव और महंगाई का बढ़ना। निवेश और उपभोग में तीव्र कमी। इतिहास में ग्रेट डीपरेशन (1930 का दशक) और ग्लोबल फायनेंस क्राइस (2008) जैसी घटनाओं को आर्थिक सुनामी के उदाहरण माना जा सकता है।

सवाल है कि क्या भारत में पीएम मोदी के रहते यह आ सकती है?– किसी भी सरकार या प्रधानमंत्री के रहते हुए आर्थिक संकट की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अर्थव्यवस्था अनेक घरेलू और वैश्विक कारकों से प्रभावित होती है, जैसे– वैश्विक मंदी या वित्तीय संकट। तेल की कीमतों में असाधारण वृद्धि। बड़े युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव। प्राकृतिक आपदाएं या महामारी। घरेलू नीति संबंधी गंभीर त्रुटियां। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसी ताकतें भी हैं जो बड़े झटकों को सहने में मदद करती हैं– जैसे- विशाल घरेलू बाजार। अपेक्षाकृत मजबूत बैंकिंग और नियामक व्यवस्था। बढ़ता डिजिटल भुगतान तंत्र। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर निवेश। विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर। दूसरी ओर, चुनौतियां भी मौजूद हैं–जैसे- युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन। कृषि आय में सुधार। निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता। और, आय असमानता और उपभोग मांग का प्रश्न।

इसलिए निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो पीएम मोदी के रहते आर्थिक सुनामी निश्चित रूप से आएगी या कभी नहीं आएगी– दोनों दावे तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं हैं। भारत की आर्थिक स्थिति कई संकेतकों पर अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, लेकिन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह यह वैश्विक और घरेलू जोखिमों से पूरी तरह मुक्त नहीं है। आर्थिक सुनामी की संभावना मुख्यतः नीतियों, वैश्विक परिस्थितियों और भविष्य की घटनाओं पर निर्भर करेगी, न कि केवल किसी एक नेता की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर।

आखिर आर्थिक सुनामी के मायने क्या हैं? – आर्थिक सुनामी एक रूपक है, जिसका अर्थ है ऐसा व्यापक और तीव्र आर्थिक संकट जो समाज, बाजार, उद्योग, रोजगार और सरकार की वित्तीय स्थिति को एक साथ प्रभावित कर दे। जिस प्रकार समुद्री सुनामी अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को झकझोर देती है, उसी प्रकार आर्थिक सुनामी भी अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों पर गहरा असर डालती है।

आइए जानते हैं आर्थिक सुनामी के प्रमुख संकेत के बारे में- पहला, शेयर बाजार में भारी गिरावट। दूसरा, निवेशकों की संपत्ति तेजी से घटती है। तीसरा, कंपनियों का बाजार मूल्य कम हो जाता है। चौथा, बेरोजगारी में तेज वृद्धि। पांचवां, उद्योगों और कंपनियों में छंटनी बढ़ती है। छठा, नए रोजगार सृजन की गति धीमी पड़ जाती है। सातवां, बैंकिंग और वित्तीय संकट।

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय आवेश में लिया गया फैसला नहीं, लंबे चिंतन का नतीजा है

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है।

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं।

अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

इसे भी पढ़ें- जिसने आज तक नहीं जीता कोई चुनाव, तमिलनाडु में विजय से ज्यादा वो चर्चा में क्यों? अन्नामलाई का गेम और शाह का प्लान, पूरी कहानी कुछ और है

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन वी द लीडर की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दर्शाती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जैविक खेती से समृद्ध होगा दंतेवाड़ा, किसानों की आय के साथ पर्यावरण संरक्षण में निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका-वन मंत्री एवं प्रभारी मंत्री केदार कश्यप

किसानों को जागरूक करने जिले के केवीके में जैविक कृषि कार्यशाला का हुआ सफल आयोजन

जैविक कृषि से बढ़ेगी आय, दंतेवाड़ा बनेगा मॉडल जिला- विधायक श्री अटामी

दंतेवाड़ा । जिले के कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले में जैविक कृषि को बढ़ावा देने तथा किसानों को उन्नत जैविक तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय जैविक कृषि कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के बड़ी संख्या में कृषकों, ग्रामीण युवाओं, महिला स्व-सहायता समूहों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की। जैविक कार्यशाला को संबोधित करते हुए वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि दंतेवाड़ा जिला जैविक कृषि की अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। यहां की जलवायु, प्राकृतिक संसाधन और किसानों की मेहनत जैविक खेती के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जैविक खेती केवल कृषि उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अभियान है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान अपनी मेहनत, लगन और समर्पण के कारण देश में धान उत्पादन के क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं। किसानों की अथक मेहनत से प्रदेश लगातार कृषि क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों से चर्चा के दौरान खेती-किसानी से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो कृषि विकास की दिशा में उपयोगी साबित होंगे।

वन मंत्री एवं प्रभारी मंत्री ने कहा कि देश की आजादी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने ÷जय जवान, जय किसान÷ का नारा देकर किसानों और सैनिकों के योगदान को सम्मान दिया था। इसके बाद विज्ञान और तकनीक के महत्व को देखते हुए ÷जय विज्ञान÷ का नारा भी जोड़ा गया। आज आवश्यकता इस बात की है कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय कर टिकाऊ एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा दिया जाए। वन मंत्री एवं प्रभारी मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कृषि क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दे रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण और कृषि विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने दंतेवाड़ा जिले के उन किसानों को विशेष रूप से बधाई और सम्मान दिया जो रासायनिक खेती को छोड़कर जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हुए है। उन्होंने कहा कि ऐसे किसान न केवल अपनी भूमि की उर्वरता को सुरक्षित रख रहे हैं, बल्कि समाज को स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य भी कर रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने खेतों की मेड़ों पर अधिक से अधिक पौधारोपण करें, जिससे भूमि संरक्षण, जल संवर्धन और पर्यावरण संतुलन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी पारंपरिक कृषि पद्धतियां, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधन हमारी अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें संरक्षित रखते हुए जैविक खेती को जन आंदोलन का स्वरूप देना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ पर्यावरण, सुरक्षित खाद्य सामग्री और समृद्ध कृषि व्यवस्था प्रदान की जा सके। प्रभारी मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दंतेवाड़ा जिला जैविक खेती के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी एक आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा।जैविक कृषि कार्यशाला को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि जैविक कृषि दंतेवाड़ा जिले की नई पहचान बनती जा रही है। जिले के किसान प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाकर न केवल बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि अपनी आय में भी वृद्धि कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक वैज्ञानिक जानकारी, नवीन तकनीकों एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में कृषि विज्ञान केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिससे खेती को अधिक उन्नत और लाभकारी बनाया जा रहा है।विधायक अटामी ने कहा कि हमारे पूर्वज भी जैविक खेती करते थे, लेकिन वह सीमित स्तर पर होती थी। आज आवश्यकता है कि उसी परंपरागत खेती को आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों के साथ बड़े स्तर पर अपनाया जाए, ताकि किसानों की आय बढ़ सके और कृषि अधिक टिकाऊ बन सके। उन्होंने किसानों से कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई जा रही तकनीकों और योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान करते हुए जैविक खेती को जन आंदोलन बनाने की अपील की।कार्यशाला के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा जैविक खेती, हरी खाद, जैव उर्वरकों, वर्मी कम्पोस्ट, प्राकृतिक कीट एवं रोग प्रबंधन, मूल्य संवर्धन तथा जैविक उत्पादों के विपणन से संबंधित तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। किसानों के साथ संवाद कर उनकी कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान भी किया गया।

सहयोग संस्था का महा-अभियानः बांधा तालाब में किया वृहद पौधारोपण, मेधावी छात्रा का हुआ सम्मान

बेमेतरा। नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था 'सहयोग' द्वारा रविवार को स्थानीय बांधा तालाब परिसर में एक वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरित आवरण प्रदान करने के संकल्प के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चे, युवा और बुजुर्गों सहित समाज के सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। संस्था पिछले एक दशक से अधिक समय से न केवल शहर की स्वच्छता के लिए, बल्कि वसुंधरा को हरा-भरा बनाने के लिए भी अनवरत संघर्ष कर रही है। वर्ष 2016 से निरंतर सक्रिय इस संस्था के सदस्य प्रतिदिन अपना एक घंटा शहर की सेवा और पर्यावरण संवर्धन के लिए समर्पित करते हैं, जो आज संपूर्ण जिले के लिए एक आदर्श मिसाल बन चुका है। आज के पौधरोपण मे साठ छायादार नीम कसरंज पिपसल कदम्ब आवाला और मौलश्री के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दुर्ग जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने पर्यावरण के प्रति गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज के आधुनिक युग में चाहे कितनी भी नई तकनीक क्यों न आ जाए, लेकिन पर्यावरण का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि तकनीक के बजाय हमें अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ प्रकृति को जीवित रखने का प्रयास करना होगा, क्योंकि इसी में मानवता की भलाई निहित है। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'सहयोग' जिस तरह से पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैला रही है, वह वास्तव में अनुकरणीय है। यह संस्था न केवल पौधे लगा रही है, बल्कि उन्हें संरक्षण प्रदान कर एक स्वस्थ भविष्य की नींव रख रही है।

जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में 17 जून को निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम करेगी जांच, कैंसर स्क्रीनिंग वैन भी रहेगी उपलब्ध

-दंतेवाड़ा। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में 17 जून 2026 को एक दिवसीय निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में रायपुर स्थित बालको मेडिकल सेंटर की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपस्थित रहकर कैंसर की जांच, परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेगी। शिविर के दौरान स्तन कैंसर, मुख कैंसर एवं बच्चेदानी (सर्वाइकल) कैंसर की जांच आधुनिक उपकरणों एवं विशेष सुविधाओं के माध्यम से की जाएगी।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर मिल सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि जिन व्यक्तियों में कैंसर से संबंधित किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई दे रहे हों अथवा जो कैंसर जांच कराना चाहते हों, वे इस शिविर में पहुंचकर अपनी जांच अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक अवस्था में कैंसर की पहचान होने पर इसके उपचार की संभावना काफी बढ़ जाती है।

शिविर में बालको मेडिकल सेंटर की चलित कैंसर स्क्रीनिंग वैन भी उपलब्ध रहेगी, जिसके माध्यम से आधुनिक तकनीक से जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब, एस आर हॉस्पिटल एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप ने दी बधाई

चेयरमेन संजय तिवारी ने टीम के साथ गुलदस्ता भेंट की

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री व दुर्ग शहर के विधायक गजेंद्र यादव का जन्मदिन सोमवार 15 जून मनाया गया । इस अवसर पर शहर सहित पूरे प्रदेश से उनके समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है। मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेताओं ने भी ट्वीट कर उन्हें दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान एस आर हॉस्पिटल एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप ने बधाई दी.मानस भवन ने सामने स्थित सेवा सदन में सोमवार को सुबह से ही केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव के जन्मदिन के अवसर पर भीड़ उमड़ी थी यहां देर रात तक बधाई देने वालों का ताँता लगा रहा.दुर्ग के चिखली स्थित एस आर हॉस्पिटल एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के चेयरमेन एवं संपादक संजय तिवारी भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव को गुलदस्ता भेंट करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए ढेरों शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर एस आर हॉस्पिटल एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के चेयरमेन एवं संपादक संजय तिवारी के साथ समाजसेवी विष्णु पाठक और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. कमल शर्मा, पत्रकार सुरेंद्र ठाकुर,नाहीद शेख भी उपस्थित रहे। सभी ने मंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए शहर और प्रदेश के विकास के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। शहर वासियों से मिले इस प्यार और सम्मान से आत्मविभोर हुवे मंत्री गजेंद्र यादव ने शुभचिंतकों के स्नेह और आशीर्वाद के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि वे जनसेवा और विकास के संकल्प के साथ आगे भी पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे।

घटिया निर्माण की भेंट चढ़ रही नहर नाली, बनते ही पड़ने लगी दरारें; जल संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

कवर्धा। पंडरिया विकासखंड के डोकरी घटिया (पुटपुटा) से पोलमी, भेड़ागढ़ और परसेंलखार की ओर जल संसाधन विभाग द्वारा कराया जा रहा नहर नाली निर्माण कार्य अब गंभीर सवालों के घेरे में आ गया है। निर्माण शुरू हुए ज्यादा समय भी नहीं बीता कि कई हिस्सों में नहर की दीवारों और संरचना पर दरारें दिखाई देने लगी हैं। यह स्थिति न केवल निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रही है, बल्कि करोड़ों रुपये की सरकारी राशि के उपयोग पर भी गंभीर संदेह पैदा कर रही है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में शुरू से ही भारी लापरवाही बरती जा रही है और विभागीय अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण ठेकेदार मनमानी करने में लगा हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार नहर निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री मानक स्तर से काफी नीचे है। निर्माण स्थल पर नदी से निकाले गए मिट्टी मिश्रित काले रेत का उपयोग खुलेआम किया जा रहा है, जबकि तकनीकी रूप से ऐसी सामग्री मजबूत और टिकाऊ निर्माण के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती। इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा इसी घटिया सामग्री से निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शुरुआत में ही गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में यह पूरी नहर व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। सबसे गंभीर आरोप सीमेंट और रेत के अनुपात को लेकर सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण में सीमेंट की मात्रा जरूरत से कम रखी जा रही है, जिससे सीएनएस और कंक्रीट कार्य कमजोर पड़ता जा रहा है। यही वजह है कि निर्माणाधीन नहर में अभी से जगह-जगह महीन और स्पष्ट दरारें उभरने लगी हैं। सामान्यतः नया निर्माण मजबूत और ठोस दिखाई देता है, लेकिन यहां स्थिति उलट है-नहर बनते-बनते ही टूटन के संकेत देने लगी है। यह साफ दर्शाता है कि निर्माण गुणवत्ता में कहीं न कहीं गंभीर कमी है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण के दौरान पानी की तराई (क्योरिंग) का कार्य भी बेहद लापरवाही से किया जा रहा है। किसी भी सीमेंट आधारित संरचना की मजबूती के लिए नियमित और पर्याप्त पानी देना अत्यंत आवश्यक होता है। लेकिन यहां कई स्थानों पर निर्माण के बाद पर्याप्त तराई नहीं की गई। परिणामस्वरूप सीमेंट समय से पहले सूख रहा है और संरचना में सिकुड़न के कारण दरारें पड़ने लगी हैं। तकनीकी जानकार भी मानते हैं कि यदि क्योरिंग प्रक्रिया अधूरी रहे तो निर्माण की उम्र काफी घट जाती है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल पर तकनीकी अधिकारियों की उपस्थिति लगभग नाम मात्र की है।

12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के: तिल्दा-नेवरा में भाजपा ने गिनाई मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियां

तिल्दा-नेवरा। यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 12 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तिल्दा-नेवरा में विशेष 'मीडिया संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के कार्यकाल को विकास, सुशासन और जन कल्याण की एक बेमिसाल यात्रा करार दिया।

विकास और परिवर्तन पर विस्तृत चर्चा-कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) माननीय श्री संदीप शर्मा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा, ÷प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल वैश्विक स्तर पर अपनी एक नई पहचान बनाई है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी आए हैं। ये 12 साल विश्वास, विकास और जन कल्याण के रहे हैं।÷

वरिष्ठ नेताओं की रही गरिमामयी उपस्थिति-इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से भाजपा रायपुर जिला ग्रामीण के प्रभारी माननीय श्री सुरेन्द्र पाटनी और जिलाध्यक्ष माननीय श्री श्याम नारंग शामिल थे। नेताओं ने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने पर चर्चा की।

जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने ली सहभागिता-कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं की उत्साहजनक भागीदारी रही। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, स्वाति वर्मा, राम पंजवानी, मंडल अध्यक्ष मनोज निषाद, रानी जैन, सौरभ जैन, दीपक शर्मा, रमेश, रिंकू अग्रवाल, विकास कोटवानी, सतीश निषाद और सागर पंजवानी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रधानमंत्री के विजन को 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण बताया और सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

जावंगा में तीसरे 10 दिवसीय विपश्यना शिविर का सफल समापन, 40 से अधिक अनुदेशकों ने सीखी मानसिक संतुलन और आत्म-जागरूकता की कला

दंतेवाड़ा । जिले के जावंगा (गीदम) स्थित आस्था विद्या मंदिर परिसर में आयोजित तीसरे 10 दिवसीय विपश्यना शिविर का सफलतापूर्वक समापन हो गया। 4 जून से प्रारंभ हुए इस शिविर में 40 से अधिक पुरुष अनुदेशकों ने भाग लेकर विपश्यना साधना के माध्यम से मन को शांत, स्थिर और संतुलित रखने का अभ्यास किया। शिविर का संचालन पुणे से आए सहायक आचार्य श्री उमेश देशपांडे के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को विपश्यना की प्राचीन ध्यान पद्धति का प्रशिक्षण दिया गया, जो व्यक्ति को अपने मन और शरीर की वास्तविकता का सूक्ष्म निरीक्षण करना सिखाती है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित अभ्यास से तनाव, क्रोध, चिंता और मानसिक अशांति में कमी आती है तथा एकाग्रता, धैर्य और निर्णय क्षमता में वृद्धि होती है। छत्तीसगढ़ के सभी विपश्यना केंद्रों के आचार्य श्री सीताराम साहू ने कहा कि शिक्षक और छात्रावास अनुदेशक विद्यार्थियों के साथ प्रतिदिन सीधे संपर्क में रहते हैं। ऐसे में उनका मानसिक रूप से संतुलित, शांत और जागरूक होना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विपश्यना का अभ्यास कार्यक्षमता, संवाद कौशल, धैर्य और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाने में सहायक होता है, जिससे विद्यालयों और छात्रावासों में सकारात्मक एवं अनुशासित वातावरण का निर्माण होता है। शिविर के समापन अवसर पर साधकों ने कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव तथा डीएमसी श्री हरीश गौतम के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। प्रतिभागियों ने कहा कि उनके सहयोग और मार्गदर्शन से जावंगा में विपश्यना शिविरों का सफल आयोजन संभव हो रहा है।कार्यक्रम के अंत में आस्था विद्या मंदिर प्रबंधन, जिला प्रशासन, धम्म सेवकों तथा आयोजन टीम के योगदान की सराहना की गई। सभी साधकों के सुख, शांति और मंगल की कामना के साथ मैत्री (मेत्ता) वितरण कर शिविर का समापन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस रैकेट की जांच तेज, ट्रेवल्स एजेंसी पर पुलिस आरटीओ की संयुक्त दबिश

रायगढ़। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के कथित खेल की जांच में रायगढ़ पुलिस और परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रेवल्स एजेंसी पर संयुक्त दबिश दी है। जांच के दौरान बाहरी राज्यों के आवेदकों को रायगढ़ का निवासी दर्शाकर लाइसेंस बनवाने के मामले सामने आने के बाद करीब 180 लाइसेंसों और दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को शिकायत मिली थी कि स्थानीय स्तर पर संचालित बाबा ट्रेवल्स द्वारा ओडिशा एवं अन्य राज्यों के लोगों के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें रायगढ़ का निवासी दर्शाते हुए ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया जा रहा है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा तथा यातायात उप पुलिस अधीक्षक उत्तम प्रताप सिंह के नेतृत्व में आरटीओ और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने बाबा ट्रेवल्स में दबिश देकर दस्तावेजों की जांच की। प्रारंभिक जांच में कई आवेदकों के पते समान पाए गए हैं। जांच एजेंसियों को संदेह है कि बाहरी राज्यों के आवेदकों के लिए स्थानीय स्तर पर किरायानामा और शपथ-पत्र तैयार कर उन्हें रायगढ़ का निवासी दर्शाते हुए लाइसेंस के लिए आवेदन कराया गया। इसके अलावा कुछ मामलों में वास्तविक आवेदक के स्थान पर अन्य व्यक्तियों को ड्राइविंग परीक्षण में शामिल कर लाइसेंस जारी कराए जाने की आशंका भी जताई गई है। पुलिस और परिवहन विभाग की टीम फिलहाल करीब 180 लाइसेंसधारियों के दस्तावेजों, निवास प्रमाणों और लाइसेंस प्रक्रिया से जुड़े रिकॉर्ड का सत्यापन कर रही है। यदि जांच में फर्जीवाड़ा या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्तियों और एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

10 लाख की जबरन वसूली और मारपीट मामले में गुंडा बदमाश समेत तीन गिरफ्तार

रायगढ़। उधारी की रकम वसूलने के नाम पर घर में घुसकर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने और 10 लाख रुपये की मांग करने वाले एक चिन्हांकित गुंडा बदमाश सहित तीन आरोपियों को रायगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोच लिया। मामले के अनुसार आशीर्वाद परम कॉलोनी निवासी कमलेश सिंह (52 वर्ष), जो कोयला ट्रांसपोर्टिंग का कार्य करते हैं, ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह कुडेकेला निवासी एक व्यक्ति के लगभग 7 लाख रुपये का भुगतान पिछले तीन वर्षों से नहीं कर पाए थे। शिकायत के मुताबिक 11 जून की दोपहर थाना कोतवाली का चिन्हांकित गुंडा बदमाश कपिल सोलंकी अपने साथियों मनीष परियानी और गिरीश माखीजा के साथ उनके घर में जबरन घुस आया। आरोपियों ने पीड़ित को धमकाते हुए 10 लाख रुपये की मांग की और कहा कि रकम नहीं देने पर उसकी हत्या करवा दी जाएगी। इसके बाद डंडे तथा हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई। पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी शशि मोहन सिंह ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने पहले मुख्य आरोपी कपिल सोलंकी को गिरफ्तार किया, जिसकी निशानदेही पर उसके दोनों सहयोगियों को भी पकड़ लिया गया।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्यों से सशक्त हुआ राजस्व प्रशासन

कोरबा। जिले में राजस्व सेवाओं को अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा स्वीकृत नवीन तहसील एवं अनुविभागीय कार्यालय भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल कोरबा द्वारा निर्मित इन भवनों में अधिकांश स्थानों पर कार्यालयीन कार्यों का नियमित संचालन भी प्रारंभ हो गया है। पर्यावरण एवं अधोसंरचना मद के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में कोरबा जिले के लिए 05 नवीन तहसील कार्यालय भवन तथा 01 अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन के निर्माण हेतु कुल 403.63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी। स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत भैंसमा, बरपाली, दीपका, पसान व अजगरबहार में नवीन तहसील कार्यालय तथा पाली में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय के भवनों का निर्माण कराया गया। वर्तमान में भैंसमा, बरपाली, दीपका, पसान तथा पाली के नवीन कार्यालय भवनों में नियमित रूप से कार्यालयीन कार्य संचालित किए जा रहे हैं।

डॉयल-112 फेस-2 नेक्स्ट जनरेशन जीपीएम का पहला मामला

डॉयल-112 वाहन में प्रसूता ने दिया स्वस्थ बालक को जन्म

मरवाही। जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में संचालित डॉयल-112 फेस-2 नेक्स्ट जनरेशन सेवा के अंतर्गत आज दिनांक 15 जून 2026 को मानवीय संवेदनशीलता एवं त्वरित पुलिस सहायता का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। आज ग्राम गांगपुर निवासी मानसिंह द्वारा डॉयल-112 में कॉल कर प्रसव पीड़ा से पीड़ित महिला के लिए तत्काल सहायता की मांग की गई। सूचना प्राप्त होते ही दोपहर 13:37 बजे गौरेला फाल्कन-2 (खोडरी) को इवेंट प्राप्त हुआ, जिस पर आरक्षक क्रमांक 117 राजाराम बसंत एवं चालक संतोष राठौर तत्काल ग्राम गांगपुर के लिए रवाना हुए। डॉयल-112 टीम ग्राम गांगपुर पहुंचकर प्रसूता सरस्वती मरपच्ची, पति विनोद मरपच्ची, उम्र 22 वर्ष को उनके महिला परिजनों एवं ग्राम मितानिन के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरेला ले जाने हेतु रवाना हुई। रास्ते में ग्राम गिरवर के समीप प्रसूता को अत्यधिक प्रसव पीड़ा होने लगी तथा तत्काल प्रसव की स्थिति निर्मित हो गई। परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉयल-112 के कर्मचारियों ने सूझबूझ एवं विवेकपूर्ण कार्यवाही करते हुए वाहन को सुरक्षित स्थान पर रोका तथा गोपनीयता एवं सम्मान का ध्यान रखते हुए पर्दे की व्यवस्था की। महिला परिजनों एवं मितानिन के सहयोग से डॉयल-112 वाहन में ही सुरक्षित प्रसव कराया गया। प्रसूता सरस्वती मरपच्ची ने एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया। प्रसव उपरांत जच्चा एवं बच्चा दोनों स्वस्थ पाए गए। तत्पश्चात डॉयल-112 टीम द्वारा जच्चा-बच्चा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरेला पहुंचाकर भर्ती कराया गया, जहां दोनों का उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। डॉयल-112 की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही से न केवल एक सुरक्षित प्रसव संभव हो सका, बल्कि ग्रामीणों में पुलिस के प्रति विश्वास भी और अधिक मजबूत हुआ है। इस सराहनीय कार्य के लिए क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा डॉयल-112 टीम की भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है। यह घटना डॉयल-112 फेस-2 नेक्स्ट जनरेशन सेवा की तत्परता, संवेदनशीलता एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे स्टेशन में होगा फॉयर सेफ्टी ऑडिट

कोरबा। रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए भारतीय रेल फायर सेफ्टी ऑडिट कराएगी। इसके तहत स्टेशनों पर मौजूद अग्नि सुरक्षा इंतजामों की जांच की जाएगी और जहां भी सुधार की जरूरत होगी, वहां जरूरी कदम उठाए जाएंगे, ताकि यात्रियों और रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाया जा सके। ऑडिट के तहत स्टेशन भवनों, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, एयर कंडीशनिंग और वेंटिलेशन सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट, फायर फाइटिंग सिस्टम, पानी की उपलब्धता, पंपिंग और स्प्रिंकलर सिस्टम समेत सभी महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी।

पेन्शन अदालत में प्राप्त मामलों का किया गया त्वरित निराकरण

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों की पेंशन संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रत्येक वर्ष जून एवं दिसम्बर माह में पेन्शन अदालत का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आज दिनांक 15 जून 2026 को मंडल कार्मिक सभाकक्ष, बिलासपुर में प्रात: 11 बजे पेन्शन अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों से प्राप्त पेंशन संबंधी मामलों की सुनवाई की गई। पेन्शन अदालत में कुल 04 आवेदन प्राप्त हुए थे । प्राप्त आवेदनों पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक श्रीमती सुमित्रा पाल, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी श्री भास्कर गुहा तथा कार्मिक एवं लेखा विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। प्रत्येक प्रकरण का रेलवे नियमों एवं प्रचलित प्रावधानों के अनुरूप परीक्षण करते हुए आवश्यक अभिलेखों का अवलोकन किया गया तथा सभी चारों मामलों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। पेन्शन अदालत के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध होता है, जिससे उनकी शिकायतों का शीघ्र एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। बिलासपुर मंडल प्रशासन पेंशनधारकों के हितों की रक्षा एवं उन्हें बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु अमित पांडेय नौवीं बार सम्मानित....

बिलासपुर। शिक्षा एवं युवा मार्गदर्शन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जॉब्स काइंड एजुकेशन ग्रुप के संचालक एवं मार्गदर्शक अमित पांडेय को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए आज की जनधारा समाचार पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह बिलासपुर के लखीराम ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उद्योगपति प्रवीण झा एवं समाजसेवी अनिल टाह उपस्थित रहे। वहीं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने वीडियो संदेश के माध्यम से सभी सम्मानित प्रतिभागियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। राजकिशोर नगर निवासी अमित पांडेय पिछले लगभग एक दशक से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को नि:शुल्क ऑनलाइन मार्गदर्शन, मोटिवेशन एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। उनके द्वारा संचालित जॉब्स काइंड एजुकेशन ग्रुप के माध्यम से राज्य के 10 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2024 की सीजीपीएससी परीक्षा में 7 अभ्यर्थियों का चयन हुआ, जबकि सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में 11 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उनके विद्यार्थियों का लगातार चयन हो रहा है। अब तक 1000 से अधिक अभ्यर्थी शासकीय सेवाओं में चयनित होकर सफलता प्राप्त कर चुके हैं। अमित पांडेय का यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके निरंतर समर्पण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नि:स्वार्थ सेवा भावना का प्रतीक है। युवाओं को रोजगार एवं सफलता की दिशा में प्रेरित करने के उनके प्रयास समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण हैं।

रतनपुर पुलिस का शराब कोचियों पर प्रहार जारी, 12 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। अवैध शराब कारोबार के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत रतनपुर पुलिस ने एक शराब कोचिये को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 लीटर कच्ची महुआ शराब और बिक्री की रकम बरामद की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह के निर्देश पर जिले में नशे के कारोबारियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मधुलिका सिंह तथा एसडीओपी कोटा नूपुर उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रतनपुर विष्णु यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। 13 जून को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम दर्फइपारा में एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में महुआ शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और आरोपी रन्नू लाल मरावी (32 वर्ष) निवासी दर्फइपारा, थाना रतनपुर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के घर की बाड़ी से 12 लीटर कच्ची महुआ शराब जिसकी अनुमानित कीमत 2,400 रुपये है तथा 120 रुपये की बिक्री रकम बरामद कर जब्त की गई। इसके बाद आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विष्णु यादव, प्रधान आरक्षक कौशल खुंटे, आरक्षक धनराज कुम्भकार, आकाश डोंगरे, देवानंद चंद्राकर तथा महिला आरक्षक स्वाति बंजारे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलेक्टर संतोष देवांगन ने प्राचार्यों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों की ली बैठक

■ कहा सुविधाओं में कमी नही होगी, परिणाम बेहतर आना चाहिए

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने जिले के सभी शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों और संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक लेकर आगामी शैक्षणिक सत्र में बेहतर परीक्षा परिणाम लाने प्रोत्साहित किया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) पेंड्रा में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में सुविधाओं में किसी तरह की कमी नहीं होगी, सुविधाओं के अनुरुप परीक्षा परिणाम भी बेहतर आना चाहिए। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि शिक्षक का सार्वजनिक सम्मान होना चाहिए। शिक्षक स्वयं अनुशासित रहें, आपका पढ़ाया विद्यार्थी जब कामयाब होता है तो गर्व से सिर उंचा उठता है। शिक्षक की प्रतिभा एवं काबिलियत का सहीं उपयोग हो। उन्होंने विद्यार्थियों को संवारने, उनका मार्गदर्शन करने, उन्हें दिग्भ्रमित होने से बचाने कहा। उन्होंने कहा कि पढ़ाने का तरीका सरल एवं रोचक हो। मेहनत का परिणाम दिखना चाहिए। मेहनत के साथ-साथ लगातार अभ्यास भी जरुरी है। बैठक में सभी प्राचार्यों और संकुल शैक्षिक समन्वयकों ने कलेक्टर के निर्देशों और अपेक्षाओं के अनुरुप कार्य करने और बेहतर परीक्षा परिणाम लाने भरोसा दिया। बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन, विद्यार्थियों के आधार सत्यापन एवं एमबीयू की स्थिति, अपार आईडी निर्माण, जाति प्रमाण पत्र, जर्जर एवं मरम्मत योग्य विद्यालय भवनों की जानकारी, विद्यालयों की साफ-सफाई एवं प्रवेश उत्सव की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी, डाइट के प्राचार्य श्री जेपी पुष्प एवं सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

बिलासपुर में जिला स्तरीय टेस्टिंग कैंप 2026 का शुभारंभ 150 से अधिक स्काउट्स-गाइड्स ने दी ऑनलाइन परीक्षा

बिलासपुर। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवेभारत स्काउट्स एंड गाइड्स, बिलासपुर जिला द्वारा 15 से 17 जून 2026 तक जिला स्तरीय टेस्टिंग कैंप 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय शिविर में द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान, राज्य पुरस्कार, राष्ट्रपति स्काउट/गाइड, निपुण तथा राष्ट्रपति रोवर/रेंजर पुरस्कार हेतु विभिन्न परीक्षाएं एवं मूल्यांकन गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कैंप के प्रथम दिवस 15 जून को ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षा का सफल आयोजन बिलासपुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर के CBT परीक्षा केंद्र में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स एवं रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा के माध्यम से प्रतिभागियों के स्काउटिंग एवं गाइडिंग संबंधी ज्ञान, सिद्धांतों तथा प्रशिक्षण की समझ का मूल्यांकन किया गया। इस जिला स्तरीय टेस्टिंग कैंप में बिलासपुर जिले के लगभग 150 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं, जिनमें स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स, यूनिट लीडर्स, सर्विस टीम के सदस्य एवं परीक्षक सम्मिलित हैं। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक परीक्षणों से गुजरना होगा। इन परीक्षणों के माध्यम से उनकी नेतृत्व क्षमता, समाज सेवा, आउटडोर कौशल, टीम भावना, अनुशासन तथा समग्र व्यक्तित्व विकास का आकलन किया जाएगा। यह शिविर युवा सदस्यों को अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं का प्रदर्शन करने तथा राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों के लिए अर्हता प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही यह कार्यक्रम स्काउटिंग एवं गाइडिंग आंदोलन के मूल उद्देश्यों—चरित्र निर्माण, नेतृत्व विकास, अनुशासन, आत्मनिर्भरता एवं समाज सेवा—को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह आयोजन श्री अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट्स) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, बिलासपुर तथा श्रीमती नेहा सिंह, जिला आयुक्त (गाइड्स), बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं जिला संगठन के पदाधिकारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

43.600 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त

रायगढ़। कलेक्टर के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 43.600 लीटर महुआ शराब जब्त की है। यह कार्रवाई प्राप्त शिकायत के आधार पर आबकारी उप निरीक्षक अंकित अग्रवाल एवं उनकी टीम द्वारा आबकारी वृत्त रायगढ़ (उत्तर) क्षेत्र में की गई। कार्रवाई के दौरान भातपुर निवासी गोपीचंद यादव, थाना कोतरारोड, रायगढ़ के रहवासी मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मकान से 43.600 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद हुई, जिसे आरोपी द्वारा अवैध रूप से कब्जे में रखा गया था। आबकारी विभाग ने आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

सकरी पुलिस की फुर्ती से चंद घंटों में सुलझी चोरी, डॉग स्क्वॉड की मदद से दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सकरी थाना क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चोरी करने वाले दो आरोपियों को सकरी पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 60 हजार रुपये मूल्य के चोरी गए जेवरात भी बरामद कर लिए हैं। इस सफलता में डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस के अनुसार साईं नगर उस्लापुर निवासी नीता बघेल ने 13 जून को थाना सकरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह कृष्णा अस्पताल में कार्यरत हैं और 12 जून की रात ड्यूटी पर जाने से पहले घर में ताला लगाकर गई थीं। अगले दिन सुबह लौटने पर घर का ताला टूटा मिला तथा अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी गायब थे। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 60 हजार रुपये बताई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज कुमार पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक (सिविल लाइन) निमितेश सिंह परिहार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सकरी ने तत्काल टीम गठित कर जांच शुरू की। घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड ने बारीकी से निरीक्षण किया। डॉग मास्टर राम मिलन सिंह द्वारा पुलिस डॉग को घटनास्थल से मिले सुरागों की गंध सूंघाई गई, जिसके बाद डॉग सीधे साईं नगर उस्लापुर स्थित संदिग्धों के घर तक पहुंच गया।

नया घर या फ्लैट खरीदने से पहले जाने वास्तु नियम

अपना खुद का घर या फ्लैट खरीदना हर आम इंसान के जीवन का सबसे बड़ा सपना होता है। मगर कई बार लोग प्रॉपर्टी की लोकेशन, कीमत और बाहरी खूबसूरती देखकर मकान फाइनल कर लेते हैं और वास्तु नियमों की अनदेखी कर देते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, गलत दिशा या दोषपूर्ण लेआउट वाला घर खरीदने से जीवनभर आर्थिक तंगी, बीमारियां और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। नए घर में प्रवेश के बाद खुशहाली और बरकत बनी रहे, इसके लिए कुछ बेहद गुप्त और जरूरी वास्तु नियमों का ध्यान रखना आवश्यक है। अगर आप भी अपने सपनों का आशियाना खरीदने जा रहे हैं, तो प्रॉपर्टी फाइनल करने से पहले कुछ वास्तु नियमों को जरूर चेक कर लें, ताकि मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहे।

मुख्य दरवाजा और उसकी सही दिशा

वास्तु के अनुसार, नए घर या फ्लैट का मुख्य दरवाजा हमेशा उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) दिशा में होना सबसे शुभ माना जाता है। मुख्य दरवाजे के ठीक सामने कोई बड़ा पेड़, बिजली का खंभा या सीढ़ियां नहीं होनी चाहिए, इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह रुकता है। दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में मुख्य प्रवेश द्वार वाले मकान को खरीदने से बचें, यह घर में नकारात्मक ऊर्जा लाता है।

रसोईघर और बाथरूम की सही लोकेशन

घर में रसोईघर यानी किचन हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए, जिससे घर के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
फ्लैट खरीदते समय ध्यान दें कि किचन और टॉयलेट के दरवाजे आमने-सामने या बिल्कुल एक-दूसरे से सटे हुए न हों।
उत्तर-पूर्व दिशा को देवताओं का स्थान माना जाता है, इस कोने में कभी भी टॉयलेट या गंदगी नहीं होनी चाहिए।

फ्लैट का आकार

प्लॉट या फ्लैट का आकार हमेशा वर्गाकार या आयताकार होना चाहिए, कटे हुए कोनों वाले फ्लैट वास्तु दोष पैदा करते हैं।
वास्तु के अनुसार, इन नियमों का पालन करने से मान्यता है कि जीवनभर आपके घर में सुख-समृद्धी का वास रहेगा।

मास्टर बेडरूम और लिविंग रूम

घर के मुखिया का बेडरूम हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए, यह परिवार में स्थिरता और आपसी प्रेम बढ़ाता है। बेडरूम में बेड इस तरह लगा हो कि सोते समय सिर हमेशा दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर रहे। घर का मुख्य हॉल या लिविंग रूम उत्तर या पूर्व दिशा में होना चाहिए, जहां धूप और ताजी हवा आसानी से आ सके।

कौन-सा पौधा किस दिशा में लगाना शुभ

भारतीय संस्कृति में पेड़-पौधों को केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं माना गया है, बल्कि इन्हें सुख, समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर, कार्यालय या किसी भी स्थान पर सही दिशा में उचित पौधों का रोपण करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। यही कारण है कि आज के समय में 'ग्रीन वास्तु' का महत्व तेजी से बढ़ रहा है।

वास्तु शास्त्र हमें बताता है कि कौन-सा पौधा किस दिशा में लगाना शुभ माना जाता है, कौन-से पौधे आर्थिक उन्नति और पारिवारिक सुख-शांति का कारण बनते हैं तथा किन पौधों को घर में लगाने से बचना चाहिए। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार तुलसी, मनी प्लांट, अशोक, बांस, शमी और केले जैसे पौधे विशेष ऊर्जा प्रदान करते हैं और जीवन में सफलता के नए अवसर लेकर आते हैं।

पौधारोपण के शुभ नक्षत्र और नियम
मेन गेट और छाया के जरूरी नियम
ग्रहों का पेड़-पौधों से कनेक्शन

मेन गेट और छाया के जरूरी नियम

द्वार वेध से बचें: घर के मुख्य दरवाजे के ठीक सामने कभी कोई पौधा न लगाएं। बड़े पेड़ों को हमेशा मुख्य द्वार की ऊंचाई से तीन गुना दूरी पर लगाना चाहिए।
धूप-छाया का गणित: सुबह 9:00 AM से दोपहर 03:00 PM तक किसी भी बड़े पेड़ की परछाई आपके घर पर नहीं पड़नी चाहिए।
स्मार्ट टिप: पौधों को हमेशा पहले मिट्टी के गमले में तैयार करें, उसके बाद ही जमीन में रोपें।

पौधारोपण के शुभ नक्षत्र और नियम

बेस्ट नक्षत्र: स्वाति, उत्तरा, हस्त, रोहिणी और मूल नक्षत्र में लगाया गया पौधा कभी निष्फल नहीं होता और तेजी से बढ़ता है। संभव हो तो अपने जन्म नक्षत्र के अनुसार रोपण करें।
शुभ समय: हमेशा शुक्ल पक्ष की अष्टमी से कृष्ण पक्ष की सप्तमी के बीच में ही नए पौधे लगाएं।
स्थानांतरण का नियम: अगर किसी पेड़ को हटाना बेहद जरूरी हो, तो केवल माघ या भाद्रपद महीने में ही उसे हटाएं और 3 महीने के भीतर उसकी जगह नया पौधा लगाने का संकल्प लें।

ज्योतिष शास्त्र में शनि दोष निवारण के उपाय

आ शनि को कर्मफल दाता कहा जाता है। जब शनि किसी व्यक्ति या परिवार पर साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव डालते हैं, तो जीवन में आर्थिक तंगी, स्वास्थ्य समस्या, मानसिक तनाव और बाधाएं बढ़ जाती हैं। ज्योतिष शास्त्र में शनि दोष निवारण के लिए काले घोड़े की नाल एक सरल और प्रभावी उपाय माना जाता है।

काले घोड़े की नाल

धर्म विशेषज्ञों के मुताबिक, शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल को सही विधि से लगाने या धारण करने से शनि की नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और सकारात्मक परिणाम दिखने लगते हैं। आइए जानते हैं इस नाल को घर में कैसा लगाना चाहिए और इसके अलावा अन्य कौन-कौन से उपाय किए जा सकते हैं।

काले घोड़े की नाल का महत्व

शनि देव की शांति के लिए काले घोड़े की नाल को बहुत शक्तिशाली माना जाता है। घोड़ा शनि ग्रह का वाहन है, इसलिए इसकी नाल में शनि की ऊर्जा का विशेष प्रभाव होता है। इसे शनिवार के दिन उपयोग करने से शनि प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति के जीवन से बाधाएं दूर होने लगती हैं। यह उपाय साढ़ेसाती या ढैय्या के दौरान विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होता है।

मेन गेट पर नाल लगाने का सही तरीका

शनिवार को काले घोड़े की नाल लाकर उसे अच्छे से साफ करें। फिर इसे यू (U) आकार में मोड़कर घर के मुख्य द्वार पर ठोक दें। नाल का मुंह नीचे की ओर होना चाहिए। ऐसा करने से घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक शक्तियां बाहर ही रह जाती हैं। इस उपाय से घर में सुख-शांति बनी रहती है और कलह कम होती है।

मध्यमा उंगली में नाल की अंगूठी

शनिवार को काले घोड़े की नाल से बनी अंगूठी को गंगाजल से शुद्ध करें। फिर 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। इसे दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में पहनें। इस उपाय से शनि संबंधी परेशानियां कम होती हैं, मानसिक शांति मिलती है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

व्यवसाय और दुकान के लिए उपाय

अगर दुकान या व्यवसाय में रुकावट आ रही है, तो शनिवार को अभिमंत्रित काले घोड़े की नाल को दुकान के मुख्य द्वार के ऊपर बीच में लगाएं। इससे नजर दोष, जादू-टोना और नकारात्मक शक्तियों से सुरक्षा मिलती है। व्यापार में नई गति आती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

तिजोरी या अनाज डिब्बे में रखने का उपाय

शनिवार को काले घोड़े की नाल को काले कपड़े में लपेटकर घर की तिजोरी या अनाज रखने वाले डिब्बे में रख दें। इस उपाय से धन की तंगी दूर होती है, खर्च पर नियंत्रण रहता है और घर में बरकत बढ़ती है। धन टिकने लगता है और आर्थिक स्थिरता आती है।

घर में तनाव दूर करने का उपाय

अगर घर में लगातार तनाव या बुरा माहौल बना रहता है, तो शनिवार को घोड़े की नाल को यू आकार में घर के अंदर किसी ऐसी जगह लटकाएं जहां पूरे घर पर नजर पड़े। इससे नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकलती है और घर में सकारात्मकता का माहौल बनता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके लिए आज का दिन नई ऊर्जा लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के द्वितीय भाव से तृतीय भाव में गोचर करेगा। करियर में आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप अपने साहस से नई उपलब्धियां हासिल करेंगे। बिजनेस में नए संपर्क स्थापित होंगे जो भविष्य में लाभप्रद सिद्ध होंगे। लव लाइफ में साथी के साथ आपका रिश्ता और भी गहरा और मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे, ऊर्जा का संचार बना रहेगा।

वृषभ राशि - आज का दिन करियर में धन संबंधी मामलों में आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है। बिजनेस में किसी भी बड़े निवेश को करने से पहले सोच-विचार कर लें। लव लाइफ में साथी के साथ बातचीत के दौरान अपनी वाणी पर संयम रखें, अन्यथा वाद-विवाद होने की आशंका है। स्वास्थ्य की दृष्टि से गले या आंखों का ध्यान रखें।

मिथुन राशि - आपको आज का दिन नई उपलब्धियां मिलेंगी और आपके नेतृत्व क्षमता की हर जगह प्रशंसा होगी। बिजनेस में लाभ के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। लव लाइफ में साथी के साथ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप मन से भी काफी प्रसन्न रहेंगे। कल आपका आत्मविश्वास बहुत ऊंचा रहेगा। जो भी काम आप हाथ में लेंगे, उसे समय पर और बेहतर ढंग से पूरा करेंगे। सामाजिक कार्यों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और लोग आपकी सलाह को महत्व देंगे।

कर्क राशि - बिजनेस में आज का दिन धन के लेन-देन में सतर्कता बरतें और फालतू के खर्चों पर लगाम लगाएं। लव लाइफ में साथी के साथ स्पष्ट संवाद बनाए रखना ही समझदारी होगी। स्वास्थ्य में अनिद्रा या मानसिक थकान की समस्या हो सकती है, भरपूर विश्राम करें। कल व्यर्थ की भागदौड़ से बचें और अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं।

सिंह राशि - आपकी मेहनत का आज का दिन आपको पूरा फल मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बिजनेस में अचानक धन लाभ होने के प्रबल योग हैं। लव लाइफ में साथी के साथ बेहतरीन समय व्यतीत करेंगे और आप भविष्य की सुखद योजनाओं पर चर्चा कर सकते हैं। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप मानसिक रूप से काफी प्रसन्न महसूस करेंगे। कल आप जो भी कार्य शुरू करेंगे, उसमें सफलता की पूरी संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और आप अपने मित्रों के साथ यादगार दिन बिताएंगे।

कन्या राशि - आपको कोई नई और बड़ी जिम्मेदारी आज का दिन मिल सकती है, जिससे आपके पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिजनेस में नई योजनाएं सफल होंगी और व्यापारिक सौदों में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बहुत ही सुंदर रहेगा और आपसी प्रेम और गहरा होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा। कल कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान एक कुशल रणनीतिकार के रूप में बनेगी।

तुला राशि - तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और आपके रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। बिजनेस में कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा। लव लाइफ में साथी के साथ आपका रिश्ता और भी गहरा होगा। स्वास्थ्य के प्रति आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे, ऊर्जा का संचार बना रहेगा। कल आप किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में रुचि ले सकते हैं। आपका मन शांत रहेगा, परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

वृश्चिक राशि - करियर में सहकर्मियों से सतर्क रहें और फालतू की बातों में समय न गवाएं। बिजनेस में अभी किसी भी प्रकार के बड़े निवेश को टालना ही बेहतर होगा। लव लाइफ में साथी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, उनका ध्यान रखें। स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्याओं के प्रति सचेत रहें और हल्का भोजन लें। कल आपको धैर्य रखने की बहुत अधिक आवश्यकता है। शांत रहकर ही आप मुश्किलों को पार कर पाएंगे। विवादों से दूर रहना आपके हित में रहेगा।

धनु राशि - साझेदारी वाले कार्यों से लाभ मिलने की संभावना है। बिजनेस में अपने प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखें और योजनाबद्ध तरीके से काम करें। लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी और आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित खान-पान का ध्यान रखें। कल आप अपने कार्यों के प्रति काफी सजग रहेंगे। महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर लें, जिससे आपको सही मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।

मकर राशि - रोगों और शत्रुओं पर विजय दिलाने में मददगार साबित होगा। करियर में पुरानी मेहनत का फल मिलेगा और आपके विरोधी शांत रहेंगे। बिजनेस में लाभ की अच्छी स्थिति बनी रहेगी। लव लाइफ में साथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे की बातों को बेहतर समझेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा और आप नई स्फूर्ति का अनुभव करेंगे।

कुंभ राशि - करियर में आपके रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी और आप अपने काम में निखार ला पाएंगे। बिजनेस में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है, बशर्ते आप सही योजना बनाएं। लव लाइफ में साथी के साथ हल्की-फुल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन प्रेम बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। कल आपको अपने बच्चों की शिक्षा या भविष्य से जुड़ी किसी बात पर ध्यान देने की आवश्यकता पड़ सकती है।

मीन राशि - घर-परिवार की समस्याओं के कारण कार्यस्थल पर ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत आ सकती है। बिजनेस में सावधानी से काम लें और कोई बड़ा फैसला न लें। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा धैर्य की जरूरत होगी। स्वास्थ्य में माता-पिता की सेहत का विशेष ध्यान रखें।

मूनस्टोन से मिलते हैं कई फायदे

क्या आप रात में नींद ना आने की वजह से परेशान हैं? इस वजह से बैचेनी और चिड़चिड़ापन महसूस होता है? तो मूनस्टोन आपकी दिक्कत को दूर कर सकता है। रत्न शास्त्र के अनुसार मूनस्टोन को चंद्रमा से जुड़ा रत्न माना जाता है। मान्यता है कि इसे धारण करने या पास रखने से शांति मिलती है। साथ ही कई और फायदे भी होते हैं।

दूर होगी अनिद्रा की शिकायत

रत्न शास्त्र के अनुसार मून स्टोन नींद के लिए भी अच्छा साबित होता है। जिन लोगों को नींद आने में दिक्कत होती है वो इस स्टोन को पास में रखकर सोते हैं। आप इसे स्टोन के रूप में अपने पास रख सकते हैं या फिर लॉकेट-रिंग के रूप में पहन सकते हैं।

मन को रखेगा शांत

मूनस्टोन की सबसे खास बात ये है कि ये भावनाओं का अच्छे से संतुलित करता है। इसकी मदद से तनाव और ओवरथिंकिंग काफी हद तक कम की जा सकती है। मूनस्टोन को पास रखेंगे तो मन शांत रहेगा।

बैचेनी से मिलती है राहत

रत्नशास्त्र के अनुसार मूनस्टोन के अंदर इतनी पावर होती है बैचेनी अपने आप कम होने लगती है। दरअसल नींद का संबंध चंद्रमा से होता है और इसके कमजोर होने से कई नुकसान होते हैं और नींद कम आने जैसी दिक्कतें भी होती हैं। इस वजह से बैचेनी बढ़ने लगती है। इस चीज में मूनस्टोन काफी मददगार साबित होता है।

गुस्से पर रखें कंट्रोल

मान्यता है कि मूनस्टोन गुस्से को भी कंट्रोल करता है। जिन लोगों को हर छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आता है उन्हें मूनस्टोन जरूर पास रखना चाहिए। इससे काफी लाभ मिलता है।

इस दिन पहनें मूनस्टोन

अगर आप मूनस्टोन को रिंग या फिर लॉकेट में पहनने वाले हैं तो सबसे पहले जान लें कि इसे चांदी में जड़वाया जाता है। इसकी रिंग या फिर लॉकेट को सोमवार के दिन से पहनना शुरू करेंगे तो आपके लिए ज्यादा अच्छा होगा।

बजट फ्रेंडली है मून स्टोन

रत्न शास्त्र के अनुसार मून स्टोन काफी बजट फ्रेंडली होता है। सबसे बेस्ट क्वालिटी वाला मून स्टोन आपको 5 से 6 हजार के अंदर ही मिल जाएगा। वहीं रत्नी के हिसाब से लेंगे तो इसकी कीमत कम होगी। बस खरीदते वक्त इसकी क्वालिटी की जांच जरूर करवा लें। डिस्क्लेमर- इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

इम्यूनिटी बूस्टिंग के लिए 7 सुपर फूड

बारिश का मौसम गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लेकर आता है। दरअसल, बारिश के मौसम में हवा में नमी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। यह नमी और उमस बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और अन्य कीटाणुओं के पनपने का कारण बनते हैं। इससे संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ये समस्याएं कमजोर इम्यूनिटी वालों को सबसे पहले चपेट में लेती हैं। ऐसे में इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी हो जाता है। यहां देखिए मानसून में इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए सुपर फूड।

लहसुन

बारिश के मौसम के लिए लहसुन सुपरफूड साबित हो सकता है। इसमें मौजूद एलिसिन नामक तत्व संक्रमण से लड़ने में मददगार माना जाता है।

तुलसी

तुलसी की चाय पीने से इम्यून सिस्टम को संतुलित करने और सांस की नली की रुकावट को दूर करने में मदद मिलती है। इसे आप अपनी चाय में मिलाकर पी सकते हैं या इसका काढ़ा बना सकते हैं।

हल्दी

इसमें मौजूद करक्यूमिन शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इसका इस्तेमाल काढ़ा या फिर दूध में मिलाकर कर सकते हैं।

अदरक

एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर अदरक मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद कर सकता है। इस मौसम में होने वाली गले की खराश से छुटकारा पाने के लिए भी डायट में

खट्टे फल

मौसंबी, नींबू, आंवला जैसे विटामिन C वाले फल इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। ये फल रोजाना के खाने में शामिल करना सबसे अच्छा है।

दही

दही में प्रोबायोटिक्स का अच्छा स्रोत होता है जो आंतों की सेहत और इम्यूनिटी को सपोर्ट करता है। इसे रोजाना दोपहर के खाने में शामिल कर सकते हैं।

मोरिंगा

मोरिंगा में विटामिन सी, ए, आयरन, कैल्शियम और कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में हल्का और कंफर्टेबल पहनें

गर्मियों के मौसम में हल्की साड़ियों के साथ ब्लाउज भी हल्के पैटर्न और फैब्रिक वाले महिलाएं पसंद करती हैं। अगर आप कॉटन के ब्लाउज डिजाइन में खूबसूरत डिजाइन खोज रही हैं, तो हम आपके लिए कुछ क्लासी डिजाइन लेकर आए हैं।

कॉटन ब्लाउज के लेटेस्ट डिजाइन

गर्मियों के मौसम में हल्का और कंफर्टेबल पहनना हर किसी को पसंद होता है लेकिन कई महिलाएं साड़ी ही पहनती हैं। गर्मी में साड़ी पहनना ही किसी टास्क से कम नहीं होता। साड़ी में गर्मी लगती है और ऐसे में मोटे फैब्रिक वाला ब्लाउज शरीर में चिपका हुआ लगता है।
अगर आप भी गर्मियों में साड़ी पहनती हैं लेकिन ब्लाउज हल्के कपड़े वाला खोज रही हैं, तो कॉटन के ब्लाउज डिजाइन देख सकती हैं। कॉटन के ब्लाउज आजकल हर तरह के डिजाइन में आने लगे हैं और किसी भी पैटर्न या डिजाइन की साड़ी के साथ जचते हैं। तो चलिए कुछ खूबसूरत डिजाइन आपको भी दिखाते हैं।

पफ स्लीव्स कॉटन ब्लाउज

पफ स्लीव्स वाले कॉटन के ब्लाउज आप किसी भी तरह की साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। अगर आप हल्की या जॉर्जट वाली साड़ी भी कैरी कर रही हैं, तो भी ये सुंदर लुक देंगे।

वी नेक डिजाइन

कॉटन ब्लाउज डिजाइन में वी नेक स्टाइल भी कूल और क्लासी लुक देगा। ना ज्यादा बोल्ड ना ज्यादा कवर स्टाइल वाला ये पैटर्न आपकी कॉटन-जॉर्जट हर तरह की साड़ी पर अच्छा लगेगा।

राउंड नेक डिजाइन

ब्रॉड राउंड नेक डिजाइन ब्रॉड स्टाइल वाले राउंड नेक डिजाइन में भी ब्लाउज सुंदर लगेंगे। अगर आप साड़ी के साथ बोल्ड लुक ब्लाउज कैरी करती हैं, तो कॉटन में ये डिजाइन परफेक्ट रहेगी।

गर्मी के मौसम में त्वचा संबंधी समस्याएं

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं लेकर आता है। इनमें सबसे आम समस्या है घमोरियां। तेज धूप, अधिक पसीना और उमस भरा मौसम त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देता है, जिससे शरीर पर छोटे-छोटे लाल दाने, जलन और खुजली की समस्या होने लगती है। बच्चे हों या बड़े, घमोरियां किसी को भी परेशान कर सकती हैं। घमोरियों की वजह से न सिर्फ असहजता महसूस होती है, बल्कि कई बार त्वचा में जलन और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में लोग महंगे पाउडर और क्रीम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कई घरेलू उपाय भी इस समस्या में राहत पहुंचा सकते हैं। भारतीय घरों में सदियों से कुछ प्राकृतिक नुस्खों का उपयोग त्वचा को ठंडक पहुंचाने और घमोरियों से राहत पाने के लिए किया जाता रहा है। इन उपायों में मौजूद प्राकृतिक गुण त्वचा को आराम देने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यदि समस्या गंभीर हो, पस बनने लगे या लंबे समय तक बनी रहे तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। आइए जानते हैं कि गर्मी में घमोरियों से राहत पाने के लिए कौन-से देसी उपाय अपनाए जा सकते हैं और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

एलोवेरा और गुलाब जल

ताजा एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाने में मदद कर सकता है। गुलाब जल त्वचा को तरोताजा महसूस करा सकता है। दोनों का उपयोग त्वचा की जलन कम करने में सहायक माना जाता है। पहले त्वचा के छोटे हिस्से पर परीक्षण कर लें।

घमोरियों से बचने के लिए क्या करें?

- दिन में पर्याप्त पानी पिएं।
- ढीले और सूती कपड़े पहनें।
- अधिक देर तक पसीने वाले कपड़े न पहनें।
- धूप से लौटने के बाद स्नान करें।
- त्वचा को साफ और सूखा रखें।

क्या खानपान का भी असर पड़ता है?

घमोरियां से बचने के लिए शरीर को ठंडा रखना जरूरी है। नारियल पानी, छाछ और मौसमी फल लें। अधिक तला-भुना और मसालेदार भोजन कम करें। खीरा, तरबूज और खरबूजा जैसे पानी से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं। शरीर में पानी की कमी न होने दें।

घमोरियां क्यों होती हैं?

घमोरियां गर्मियों में होती है। इसका कारण है पसीने की ग्रंथियां बंद होना। अत्यधिक पसीना आने पर त्वचा के छिद्र बंद हो सकते हैं। उमस और गर्म वातावरण जोखिम बढ़ाता है। टाइट और सिंथेटिक कपड़े समस्या को बढ़ा सकते हैं। बच्चों और अधिक पसीना आने वाले लोगों में यह ज्यादा देखने को मिलती है। घमोरियों में कौन-सा देसी उपाय राहत दे सकता है?

महिलाओं के चेहरों पर लौटी मुस्कान, वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, महापौर का फटाके फोड़कर भव्य स्वागत, नागरिकों ने जताया आभार

गया नगर में पानी टंकी निर्माण कार्य शुरू, जल संकट से मिलेगी राहत

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के गया नगरवासियों के लिए आज का दिन विशेष खुशी और राहत लेकर आया। वर्षों से लो-प्रेशर और जल संकट की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए वार्ड क्रमांक-3 गया नगर स्थित कबड्डी मैदान में नई उच्च स्तरीय पानी टंकी निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। महापौर अलका बाघमार की प्रमुख उपस्थिति में जेसीबी मशीन से खुदाई कार्य प्रारंभ कराया गया। कार्यक्रम से पूर्व महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर,वित्त विभाग प्रभारी एवं पार्षद नरेंद्र बंजारे,जल कार्य विभाग प्रभारी एवं पार्षद लीना दिनेश देवांगन, एमआईसी सदस्य एवं वार्ड पार्षद नरेंद्र बंजारे सहित जनप्रतिनिधियों ने बाबा धाम शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना की तथा निर्माण कार्य के सफल एवं शीघ्र पूर्ण होने की कामना की। निर्माण स्थल पहुंचने पर स्थानीय नागरिकों ने फटाके फोड़कर एवं पुष्पमालाओं से महापौर का भव्य स्वागत किया। क्षेत्रवासियों ने वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर महापौर एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने कहा कि पानी की समस्या से लंबे समय से परेशान रहना पड़ता था, लेकिन अब नई पानी टंकी बनने से बड़ी राहत मिलेगी। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। गया नगर और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से बनी जलापूर्ति समस्या के स्थायी समाधान के लिए यह महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की गई है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक-3 एवं 4 में बघेरा पानी टंकी से जलापूर्ति होने के कारण दूरी अधिक होने से लो-प्रेशर की समस्या बनी रहती थी। गर्मी के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती थी। क्षेत्र की महिलाओं एवं नागरिकों द्वारा लंबे समय से नई पानी टंकी की मांग की जा रही थी। महापौर अलका बाघमार, जल कार्य विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन एवं पार्षद नरेंद्र बंजारे की पहल पर इस योजना को प्राथमिकता देते हुए पहली एमआईसी बैठक में प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। राज्य शासन से लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से 15 लाख लीटर क्षमता की उच्च स्तरीय पानी टंकी एवं फिल्टर प्लांट से टंकी तक राईजिंग लाइन निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई। गौरतलब है कि इस महत्वपूर्ण परियोजना का भूमिपूजन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सुशासन तिहार के दौरान किया गया था। अब नगर निगम द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ कर परियोजना को धरातल पर उतारने की दिशा में कार्यवाही तेज कर दी गई है।इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, चंद्रशेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, पार्षद मनीष कोठारी, मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, महिलाएं एवं नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल, 28 अधिकारियों के तबादले

रायगढ़ सहित कई जिलों में नए डीईओ पदस्थ

रायगढ़। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक कसावट और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्यभर में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 28 अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। रायगढ़ में भी इस फेरबदल का असर हुआ है और वर्तमान पदस्थ डीईओ डॉ. के. वेंकट राव को दुर्ग तबादला करके उनके स्थान पर श्यामानंद साहू जो अब तक कोरबा में पदस्थ रहे उन्हें रायगढ़ का प्रभार डीईओ के रूप में सौंपा गया है।

जारी आदेश के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, सहायक संचालकों एवं प्राचार्यों को विभिन्न जिलों और कार्यालयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक लागू रहेगा। अवर सचिव छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार महासमुंद, रायपुर, बिलासपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, बलौदाबाजार-भाटापारा, रायगढ़, गरियाबंद, धमतरी, बेमेतरा, बीजापुर, नारायणपुर और बालोद सहित अनेक जिलों में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारियों की नई पदस्थापनाएं की गई हैं। वहीं लोक शिक्षण संचालनालय, संयुक्त संचालक कार्यालयों तथा अन्य प्रशासनिक इकाइयों में भी अधिकारियों की नई तैनाती की गई है।

सिवरेज, सफाई और पेयजल व्यवस्था पर निगम आयुक्त सख्त, खुर्सीपार वार्ड में किया व्यापक निरीक्षण

भिलाई-नगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार अंतर्गत सिवरेज लाइन संधारण, नाला सफाई, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट एवं प्रस्तावित विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त, स्थानीय पार्षद सह उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह के साथ वार्ड क्रमांक-44 लक्ष्मी नारायण वार्ड में चल रहे सिवरेज लाइन संधारण कार्य का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिन घरों के समीप से सिवरेज लाइन गुजर रही है और मरम्मत की आवश्यकता है, उसे तत्काल ठीक कराने कहा। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यदि संबंधित पक्ष स्वयं कार्य नहीं कराते हैं तो निगम द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान हाल ही में कराई गई नाला सफाई व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। आयुक्त ने सफाई कार्यों को नियमित रूप से जारी रखने तथा बरसात के मौसम को देखते हुए जलभराव की स्थिति से बचने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। केनाल रोड क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने प्रस्तावित सर्विस रोड निर्माण स्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध होगी तथा आवागमन में होने वाली परेशानियां कम होंगी।आयुक्त ने वार्ड स्थित सामुदायिक भवन का भी निरीक्षण किया। लगभग तीन वर्ष पूर्व निर्मित इस भवन को निगम के अधीन लेकर स्थानीय नागरिकों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उपयोग में लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्थानीय रहवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को नियमित एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कर क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

महापौर अलका बाघमार ने वार्ड क्रमांक 1,17 एवं 42 तीन वार्डों में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण से मिलेगी नागरिकों को बेहतर सुविधा

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं नागरिकों को बेहतर मूलभूत सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार जारी है। इसी क्रम में महापौर अलका बाघमार ने लोककर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में निगम क्षेत्र के तीन वार्डों में सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। महापौर ने सबसे पहले वार्ड क्रमांक 1 पंचशील नगर में सी.सी. सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके पश्चात वार्ड क्रमांक 42 कसारीडीह, गली नंबर 3 में पक्की सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। वहीं वार्ड क्रमांक 17 औद्योगिक नगर में शंभू देवांगन के घर से राजा टेलर के घर तक नाली निर्माण कार्य तथा विभिन्न गलियों में आर.सी.सी. नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य एवं पार्षद मनीष साहू, शेखर चन्द्राकर, सुरूचि उमरे, प्रकाश गीते, रंजीता पाटिल, नीलेश जैन, सहायक अभियंता राजेन्द्र ढबाले, उपअभियंता उपयन्ति ठाकुर सहित बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सड़क, नाली, पुलिया एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र के किसी भी वार्ड में विकास कार्यों की गति नहीं रुकेगी और आगामी दिनों में भी अनेक निर्माण कार्यों की शुरुआत की जाएगी। महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा विकास कार्यों के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं है। नागरिकों की आवश्यकताओं और जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुरूप सभी वार्डों में आवश्यक विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को भरोसा दिलाया कि दुर्ग को एक सुव्यवस्थित एवं सुविधायुक्त शहर बनाने की दिशा में निगम निरंतर कार्य कर रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने उपस्थित नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने घर एवं आसपास के क्षेत्र में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए। वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने और आने वाली पीढ़ियों को बेहतर भविष्य देने में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।उन्होंने नागरिकों से नगर को हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाने में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पीएम स्वनिधि महोत्सव में उमड़ा उत्साह, सैकड़ों पथ विक्रेताओं को मिला योजनाओं का लाभ

महापौर अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल ने किया स्टॉलों का निरीक्षण,हितग्राहियों से की चर्चा

दुर्ग। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय स्वनिधि महोत्सव का आयोजन नगर पालिक निगम दुर्ग के श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में किया गया। महोत्सव में बड़ी संख्या में पथ विक्रेताओं ने भाग लेकर विभिन्न शासकीय योजनाओं और बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों एवं बैंकों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने पथ विक्रेताओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा शासन द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों को भी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। 169 पथ विक्रेताओं की सहभागिता, नए ऋण आवेदकों की हुई पहचान महोत्सव में कुल 169 पथ विक्रेताओं की उपस्थिति रही, वहीं 27 बैंकों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता निभाई।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत नए ऋण लाभार्थियों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें 87 नए आवेदकों को ऋण हेतु चिन्हांकित किया गया। शिविर के दौरान विभिन्न बैंकों द्वारा 45 हितग्राहियों को ऋण वितरण किया गया तथा 54 प्रकरणों में ऋण स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा 5 हितग्राहियों के क्रेडिट कार्ड आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए गए, जिससे उन्हें भविष्य में बैंकिंग सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त हो सकेगा। पथ विक्रेताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शिविर में विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। इंडसइंड बैंक के प्रतिनिधि दिलेश्वर निषाद द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता एवं डिजिटल भुगतान संबंधी जानकारी प्रदान की गई। वहीं अग्रणी बैंक के लेखराम द्वारा वित्तीय साक्षरता पर मार्गदर्शन देते हुए बचत, ऋण प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं के महत्व को विस्तार से बताया गया। डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए पेटीएम डिजिटल पेमेंट एग्रीगेटर द्वारा 8 पथ विक्रेताओं को क्यूआर कोड बॉक्स वितरित किए गए, जिससे वे कैशलेस भुगतान प्रणाली से जुड़ सकें।स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक योजनाओं का मिला लाभ-शिविर में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के जितेंद्र नेले द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत संचालित मेडिकल यूनिट द्वारा 46 पथ विक्रेताओं का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त हितग्राहियों को राशन कार्ड, आधार कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं आयुष्मान भारत योजना से संबंधित सेवाएं एवं लाभ भी उपलब्ध कराए गए, जिससे उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय सुविधाओं का लाभ मिल सका। महोत्सव के दौरान उत्कृष्ट कार्य एवं अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए 5 पथ विक्रेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं पीएम स्वनिधि योजना के सफल क्रियान्वयन में विशेष योगदान देने पर भारतीय स्टेट बैंक एवं केनरा बैंक को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महापौर अलका बाघमार ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों और पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने तथा डिजिटल भुगतान को अपनाने का आह्वान किया।

स्वास्थ्य सुविधाओं को मिली नई मजबूती, विधायक निधि से भिलाई-3 स्वास्थ्य केंद्र के औषधि भंडार कक्ष में लगा एसी

- **अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा की पहल, दवाओं एवं वैक्सीन के सुरक्षित भंडारण को मिलेगा बढ़ावा**

भिलाई-3। अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा की विधायक निधि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 के औषधि भंडार कक्ष के लिए वातानुकूलित (एसी) मशीन प्रदान की गई। विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर एसी संस्था प्रमुख एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को सौंपा। इस अवसर पर शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि कुछ समय पूर्व जनप्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू ने अस्पताल की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली थी। संस्था प्रभारी डॉ. शिखर अग्रवाल एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने दवाओं और वैक्सीन के सुरक्षित रखरखाव के लिए औषधि भंडार कक्ष में अतिरिक्त एसी की आवश्यकता बताई थी। इसके बाद विधायक प्रतिनिधि ने अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा से चर्चा कर इस मांग को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कराया। बीईटीओ सैय्यद असलम ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा अस्पतालों को आवश्यक उपकरण, दवाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराना जनहित का सराहनीय कार्य है। इससे समाज में सेवा और दान की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू ने कहा कि अस्पताल में मरीजों और स्वास्थ्य सेवाओं के हित में जिन आवश्यक संसाधनों की जरूरत होगी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। औषधीय भंडारण प्रभारी स्मिता बागड़े ने बताया कि विभिन्न जीवनरक्षक दवाओं एवं वैक्सीन को निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप सुरक्षित रखने के लिए वातानुकूलित कक्ष आवश्यक होता है। उन्होंने बताया कि पूर्व में महापौर निर्मल कोसरे द्वारा भी एक एसी प्रदान किया गया था, लेकिन भंडारण कक्ष का विस्तार होने के कारण अतिरिक्त एसी की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। विधायक एवं विधायक प्रतिनिधि द्वारा यह महत्वपूर्ण मांग पूरी किए जाने पर स्वास्थ्य विभाग ने उनका आभार व्यक्त किया।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के लिए दुर्ग नगर निगम शहर को सजाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ना चाहती.जगह-जगह दीवारों पर रंग-रोगन कर स्वच्छता का संदेश देते आकर्षक चित्रकारी करवाई जा रही है.इन दिनों दुर्ग शहर के प्रमुख चौक चौराहों सहित प्रमुख मार्गों के किनारे दीवारों छत्तीसगढ़ी, बस्तर की कला को प्रमुखता से दर्शाया जा रहा है. फोटो :- नाहीद शेख

शीघ्र ही नए स्वरूप में नजर आएगा रायगढ़ रेलवे स्टेशन

- **कलेक्टर ने रेलवे अधिकारियों के साथ किया सौंदर्यीकरण एवं उन्नयन कार्यों का निरीक्षण**

रायगढ़। आने वाले दिनों में रायगढ़ रेलवे स्टेशन पूरी तरह नए और आकर्षक स्वरूप में नजर आएगा। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने के लिए रेलवे द्वारा व्यापक स्तर पर सौंदर्यीकरण, उन्नयन एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का कार्य किया जा रहा है। इन कार्यों की प्रगति का जायजा लेने कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने आज रेलवे अधिकारियों, नगर निगम आयुक्त तथा रायगढ़ एसडीएम के साथ रेलवे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्टेशन भवन, मुख्य प्रवेश द्वार, पार्किंग क्षेत्र, प्रतीक्षालय, सड़क संपर्क मार्ग, जल निकासी व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं यात्रियों के लिए विकसित की जा रही अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को सभी निर्माण एवं विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से जुलाई माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रायगढ़ रेलवे स्टेशन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख और व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है। बिहार, झारखंड, ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल से छत्तीसगढ़ आने वाले यात्रियों के लिए यह महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार की भूमिका निभाता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए भारत सरकार द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार को आधुनिक वास्तुशिल्प के अनुरूप नया स्वरूप दिया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com